कार्तिक कृष्णा - 2 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 75 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 08-10-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 हर नागरिक को सुरक्षा मिलनी चाहिए : रीजीजू

6 भारतीय वायु सेना : परंपरा, प्रौद्योगिकी और पराक्रम का संगम

7 एकता कपूर ने अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से मांगी माफी

फर्स्ट टेक

पर्यावरण नियमों के उल्लंघन पर बिग बॉस स्टूडियो बंद करने का आदेश

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (केएसपीसीबी) के आदेश के बाद बेंगलूरु दक्षिण जिले के अधिकारियों ने मंगलवार को बिदादी में रियलिटी शो 'बिग बॉस' के कन्नड़ संस्करण की मेजबानी करने वाले स्टूडियो परिसर को सील कर दिया। बोर्ड ने पर्यावरण नियमों के गंभीर उल्लंघन का हवाला दिया था। जिला प्रशासन से जुड़े लोग पुलिस और केएसपीसीबी अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और परिसर को बंद कर दिया। बोर्ड ने सोमवार को वेल्स स्टूडियोज एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड (जॉली वुड स्टूडियोज एंड एडवेंचर्स) को नोटिस जारी कर निर्देश दिया था कि उक्त स्थल पर सभी गतिविधियां तत्काल प्रभाव से रोक दी जाएं।

पाकिस्तान में रेलवे ट्रैक पर विस्फोट से जाफर एक्सप्रेस पटरी से उतरी

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी सिंध प्रांत में मंगलवार को रेलवे ट्रैक पर हुए विस्फोट के कारण एक ट्रेन के पांच डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे कई लोग घायल हो गए। रेलवे पुलिस ने यह जानकारी दी। पेशावर जाने वाली जाफर एक्सप्रेस के घायल यात्रियों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। ट्रेन पर इस साल कई बार हमले हो चुके हैं। यह विस्फोट सिंध के शिकारपुर जिले में सुल्तान कोट से सटे सोमरवाह के पास हुआ। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर बचाव अभियान जारी है। पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों की टुकड़ियों ने इलाके की घेराबंदी कर ली है और विस्फोट की प्रकृति का पता लगाने के लिए सबूत इकट्ठा करना शुरू कर दिया है।

हिमाचल में भूस्खलन की चपेट में आई बस, 15 लोगों की मौत

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में मंगलवार शाम एक निजी बस के भूस्खलन की चपेट में आने से कम से कम 15 यात्रियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना झंडूता विधानसभा क्षेत्र के भालूघाट इलाके में शाम करीब साढ़े छह बजे हुई। उन्होंने बताया कि बस में 25-30 यात्री सवार थे और यह मरोतन से घुमारवीं जा रही थी। अधिकारियों ने बताया कि मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका है, जबकि तीन लोगों को बचा लिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो-दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

सूर्यास्त 08-10-2025	सूर्योदय 09-10-2025
5:54 बजे	5:58 बजे

BSE	NSE
81,926.75 (+136.63)	25,108.30 (+30.65)

सोना	चांदी
12,435 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	166,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

वाद पर वाद

आए चुनाव लो शुरू हुआ,
तू-तू मैं-मैं तकरारवाद।
आक्षेप और हथकण्डों से,
आपस में फैला खारवाद।
नीचे से ऊपर सभी जगह,
सिस्टम में अब परिवारवाद।
सच को झुठलाते सारे दल,
कब आएगा स्वीकारवाद।।

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सशस्त्र बलों ने रणनीतिक दूरदर्शिता का प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि देश के सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान एकजुटता और रणनीतिक दूरदर्शिता की ताकत का प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार आतंकवादी बुनियादी ढांचे को ध्वस्त किया गया।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान के नियंत्रण वाले इलाकों में आतंकी ढांचों को निशाना बनाया गया। इस हमले के बाद चार दिनों तक भीषण झड़पें हुईं, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के साथ समाप्त हुईं।

यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के 65वें पाठ्यक्रम के संकाय और पाठ्यक्रम सदस्यों को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि बदलते भू-राजनीतिक माहौल और सुरक्षा संदर्भ गतिशील प्रतिक्रियाओं की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत सशस्त्र बलों को तकनीकी रूप से उन्नत युद्ध के लिए तैयार बल के रूप में परिवर्तित करने में लगा हुआ है, जो बहु-क्षेत्रीय एकीकृत अभियान में सक्षम हो।

राष्ट्रपति ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सशस्त्र बलों ने एकजुटता और रणनीतिक दूरदर्शिता की ताकत का प्रदर्शन किया। सेना के तीनो अंगों की बेहतर प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप प्रभावी तालमेल स्थापित हुआ। मुर्मू ने सशस्त्र बलों के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा, नियंत्रण रेखा के पार और सीमा पार के क्षेत्रों में अंदर तक आतंकी बुनियादी ढांचे को ध्वस्त करने के सफल अभियान के पीछे यही तालमेल था।

राष्ट्रपति ने कहा कि एकजुटता को बढ़ावा देने की प्रक्रिया सैन्य मामलों के विभाग के गठन के साथ शुरू हुई, जिसके सचिव प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) हैं। उन्होंने कहा, मुझे यह जानकर खुशी हुई कि एकीकृत थिएटर कमांड और एकीकृत युद्धक समूहों की स्थापना के माध्यम से सशस्त्र बलों के पुनर्गठन के प्रयास चल रहे हैं।

जयशंकर ने वैश्विक एआई शासन की वकालत की

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए एक वैश्विक प्रशासन ढांचे की वकालत की। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, जयशंकर ने एआई के जिम्मेदार उपयोग की आवश्यकता को रेखांकित किया और तर्क दिया कि भारत जैसे देश के लिए इसका अर्थ स्वदेशी उपकरणों का विकास, नवप्रवर्तकों के लिए स्व-मूल्यांकन प्रोटोकॉल और प्रासंगिक दिशानिर्देश स्थापित करना है। उन्होंने कहा, अब, विभिन्न समाजों ने एआई के लाभों और जोखिमों पर अलग-अलग स्तर पर ज़ोर दिया है। ज़ाहिर है, कुछ विमर्श उन लोगों से प्रभावित हैं जो इस खेल में शामिल हैं। विदेश मंत्री ने कहा, लेकिन अंततः यह जरूरी है कि हम एक संतुलित और गंभीर दृष्टिकोण अपनाएं।

'नेटवर्क सुरक्षा प्रणाली मजबूत करने की जरूरत'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर अपने भी कई डीपफेक वीडियो की मौजूदगी का उल्लेख करते हुए लोगों का विश्वास बनाए रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का आह्वान किया।

सीतारमण ने यहां वार्षिक ग्लोबल फिनटेक फेस्ट को संबोधित करते हुए कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) वित्त एवं शासन के साथ रोजमर्रा की जिंदगी को भी बदल रहा है। हालांकि उन्होंने यह सुनिश्चित करने की जरूरत पर बल दिया कि प्रौद्योगिकी उन्नति मानवता की सेवा करे।

वित्त मंत्री ने उन्नत प्रौद्योगिकी के 'अंधेरे पहलू' से भी निपटने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

सीतारमण ने कहा, जो उपकरण नवाचार को शक्ति प्रदान करते हैं, उन्हीं का इस्तेमाल धोखे और जालसाजी के लिए भी किया जा सकता है। मैं इसे व्यक्तिगत नहीं बना रही हूं, लेकिन मैं कह सकती हूं कि मैंने अपने कई डीपफेक वीडियो को ऑनलाइन प्रसारित होते हुए देखा है। इन डीपफेक वीडियो का इस्तेमाल नागरिकों को गुमराह करने और तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि ये वीडियो इस बात की याद दिलाते हैं कि हमें ऐसे लोगों के खिलाफ अपनी सुरक्षा व्यवस्था को 'तत्परता' से बढ़ाने की कितनी जरूरत है।

आत्मनिर्भरता को मजबूत करने पर लगातार ध्यान केंद्रित कर रहा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत ने 2024-25 के अंत तक घरेलू स्रोतों से 1,20,000 करोड़ रुपए मूल्य के सैन्य उपकरण और हथियार खरीदे हैं। उन्होंने बताया कि भारत राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए आत्मनिर्भरता को मजबूत करने पर लगातार ध्यान केंद्रित कर रहा है।

सिंह ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार युद्ध के बदलते स्वरूप खासतौर पर ड्रोन जैसे 'नॉन-कॉन्टैक्ट वॉरफेयर' (दूरस्थ युद्ध तकनीक) के महत्व को समझती है और उसके अनुसार तैयारी कर रही है।

इस संदर्भ में उन्होंने विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत के अपने रक्षा उद्योगों को बढ़ाने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, 2021-22 में घरेलू स्रोतों से हमारी पूंजीगत खरीद लगभग 74,000 करोड़ रुपए की थी, लेकिन 2024-25 के अंत तक यह बढ़कर लगभग 1,20,000 करोड़ रुपए हो गई है। यह बदलाव केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि मानसिकता के परिवर्तन का भी प्रतीक है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में रक्षा उपकरणों के स्वदेशी डिजाइन, विकास और निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए कई नीतिगत पहल की हैं। उन्होंने बताया कि अब सैन्य हार्डवेयर की खरीद में घरेलू स्रोतों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

भीड़ तंत्र को सत्ता का संरक्षण, संविधान की जगह बुलडोज़र ने ली : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में एक दलित व्यक्ति की हत्या की घटना को लेकर मंगलवार को दावा किया कि हिंसा और भीड़तंत्र को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है, जहां संविधान की जगह बुलडोज़र और इंसाफ़ की जगह डर ने ले ली है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ एक संयुक्त बयान में दलित व्यक्ति हरिओम वाल्मीकि की हत्या को संविधान के प्रति घोर अपराध भी करार दिया और कहा कि वर्ष 2014 के बाद से मॉब लिंचिंग, बुलडोज़र अन्याय' और भीड़तंत्र हमारे समय की भयावह पहचान बन चुके हैं।

राहुल गांधी ने यह संयुक्त बयान 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा, रायबरेली में दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की निर्मम हत्या सिर्फ़ एक इंसान की नहीं बल्कि इंसानियत, संविधान और न्याय की हत्या है। आज भारत में दलित, आदिवासी, मुसलमान, पिछड़े और ग़रीब - हर उस व्यक्ति को निशाना बनाया जा रहा है, जिसकी आवाज़ कमजोर है, जिसकी हिस्सेदारी छीनी जा रही है, और जिसकी ज़िंदगी सस्ती समझी जाती है। उन्होंने दावा किया किया कि देश में नफ़रत, हिंसा और भीड़तंत्र को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है, जहां संविधान की जगह बुलडोज़र ने ले ली है, और इंसाफ़ की जगह डर ने ले ली है।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मैं हरिओम के परिवार के साथ खड़ा हूं। उन्हें न्याय ज़रूर मिलेगा।

अपने पुराने बैंक खाते में पैसे जमा करके भूल गए?

जो आपका है उसे वापस दिलाने में आरबीआई आपकी मदद करेगा।

आपके बैंक के निष्क्रिय खाते (2 वर्ष से ज़्यादा और 10 वर्ष तक असक्रिय) में जमा पैसे / दावा न की गई जमा राशि (10 वर्ष से अधिक) को आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। आप या आपके क़ानूनी वारिस उसे कभी भी वापस ले सकते हैं।

आपके पैसे वापस पाने के 3 आसान चरण

1. आपके बैंक की किसी भी शाखा में जाएं, भले ही वो आपकी नियमित शाखा न हो।
2. केवाईसी दस्तावेजों (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस) के साथ फॉर्म जमा करें।
3. सत्यापन के बाद ब्याज समेत, यदि है तो, अपने पैसे वापस पाएं।

आपके दावा न किए गए पैसे के बारे में जानने के लिए

आपके बैंक की वेबसाइट पर खोजें या आरबीआई के UDGAM पोर्टल **(https://udgam.rbi.org.in)** पर देखें, जिसमें फ़िलहाल 30 बैंक शामिल हैं।

अधिक जानकारी के लिए **https://rbikehtahai.rbi.org.in** देखिए
प्रतिक्रिया के लिए **rbikehtahai@rbi.org.in** पर लिखिए
क्यूआर कोड स्कैन कीजिए
आधिकारिक व्हॉट्सऐप नंबर 99990 41935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

मोदी का सार्वजनिक जीवन राष्ट्र, जनसेवा को समर्पित : शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सरकार में रह कर जनसेवा करते हुए 24 साल के जीवन को राष्ट्र और जनसेवा के प्रति समर्पित बताया। शाह ने सोशल मीडिया एक्स के अपने पोस्ट में लिखा, प्रधानमंत्री मोदी का 24 वर्षों सार्वजनिक जीवन राष्ट्र और जनसेवा को समर्पित है। यह दिन पूरे देश के बेहद अहम है, जब निःस्वार्थ भाव से जनसेवा को समर्पित एक कर्मयोगी ने संवैधानिक शपथ लेकर लोगों की समस्याओं को अपना मानकर उनका निवारण करना शुरू किया और ये परेशानियां इतिहास बनती चली गईं।

गृह मंत्री ने कहा कि इन 24 वर्षों में चाहे गुजरात के किसानों, महिलाओं, उद्योग और शिक्षा में सुधार करना हो या फिर प्रधानमंत्री के रूप में देश की सुरक्षा, गरीबों के कल्याण और पिछड़े, दलित एवं जनजातीय समुदाय सहित सभी वर्गों का उत्थान करना हो। श्री मोदी जी ने यह साबित कर दिया कि जब विजन 'राष्ट्रप्रथम' हो और मिशन 'विकसित भारत' तब एक नेतृत्व कैसे करोड़ों लोगों के जीवन में परिवर्तन ला सकता है।

वैष्णो देवी यात्रा बुधवार से फिर शुरू होगी

जम्मू/भाषा। खराब मौसम के कारण श्री माता वैष्णो देवी यात्रा मंगलवार को लगातार तीसरे दिन स्थगित रही। भारतीय मौसम विभाग की ओर से जारी चेतावनी के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया था। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया, मौसम विभाग की चेतावनी के मद्देनजर वैष्णो देवी यात्रा मंगलवार को लगातार तीसरे दिन भी स्थगित रही और यह बुधवार आठ अक्टूबर को फिर से शुरू होगी। उन्होंने कहा, भक्त आधिकारिक माध्यमों से अपडेट रह सकते हैं। भारी बारिश के कारण 26 अगस्त को यात्रा स्थगित कर दी गई थी।

अपने ही लोगों पर बम गिराता है पाकिस्तान : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान पर तीखा प्रहार करते हुए भारत ने सोमवार को उसे ''अपने ही लोगों पर बम बरसाने वाला'' और ''संगठित नरसंहार करने वाला'' देश बताया।

''महिलाएं, शांति और सुरक्षा'' विषय पर आयोजित बहस में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कहा कि पाकिस्तान ने 1971 में 'ऑपरेशन सर्चलाइट' चलाया था और अपनी ही सेना श्ररा चार लाख महिलाओं के संगठित जनसंहार और बलात्कार की मुहिम को मंजूरी दी थी।

हरीश ने कहा, हर साल हमें दुर्भाग्य से पाकिस्तान के मेरे देश के खिलाफ भ्रमित करने वाले भाषण सुनने पड़ते हैं, खासकर जम्मू कश्मीर को लेकर, जिस पर उसकी बुरी नजर है। उन्होंने कहा, जो देश अपने ही नागरिकों पर बम बरसाता है और संगठित नरसंहार करता है, वह केवल दुनिया को गुमराह करने की कोशिश कर सकता है। दुनिया अब पाकिस्तान के दुष्प्रचार को भली-भांति समझ चुकी है।

गौरतलब है कि 25 मार्च 1971 को पाकिस्तानी सेना ने 'ऑपरेशन सर्चलाइट' नाम से पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में नागरिकों का निर्मम दमन शुरू किया था, जिसमें बड़े पैमाने पर हत्याएं और अत्याचार किए गए थे।

वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियां एआई के दुरुपयोग को रोकने के लिए जोखिम व्यवस्था करें मजबूत : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों को जोखिम प्रबंधन पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि आज अपराधी भी कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल कर रहे हैं। वित्त मंत्री ने यहां 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025' के छठे संस्करण में कहा कि भारत में विभिन्न एआई उत्पादों एवं सेवाओं के लिए वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता है।

इस कार्यक्रम में सीतारमण ने 'गिफ्ट आईएफएससी' में विदेशी मुद्रा निपटान प्रणाली की शुरुआत की जो वास्तविक समय में निर्बाध लेनदेन की सुविधा प्रदान करेगी। साथ ही यह नगदी प्रबंधन को बेहतर बनाएगी और अनुपालन सुनिश्चित करेगी। विदेशी मुद्रा लेनदेन वर्तमान में आमतौर पर 36 से 48 घंटों के अंतराल में पूरा हो पाता है। विदेशी मुद्रा निपटान प्रणाली के संचालन के साथ 'गिफ्ट सिटी' हांगकांग, टोक्यो, मनीला सहित कुछ अन्य चुनिंदा वित्तीय केंद्रों की सूची में शामिल हो गई है जिनके पास स्थानीय स्तर पर विदेशी मुद्रा लेनदेन को पूरा करने का बुनियादी ढांचा है।

मंत्री ने इस मौके पर कहा कि भारत ऐसे एआई उत्पाद भी बना सकता है जो दुनिया भर में विविध उपयोग-परिस्थितियों के अनुकूल हों। यह एआई विचारों के विकास एवं परीक्षण के लिए एक प्रयोगशाला हो सकता है। उन्होंने कहा, हमारा एआई ढांचा भारतीय भाषाओं, स्थानीय संदर्भों और बहुविध 'इंटरफेस' पर आधारित होना चाहिए ताकि इसे हमारे नागरिक व्यापक रूप से स्वीकार और इसका उपयोग कर सकें। मंत्री ने कहा कि एआई ढांचे में केंद्रित दृष्टिकोण भारत को 'ग्लोबल साउथ' के लिए एआई अग्रदूत बना सकता है। 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर कम विकसित देशों के लिए किया जाता है।

सीतारमण ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) ने वित्त और कामकाज करने के तरीके को बदल दिया है लेकिन इस प्रौद्योगिकी के कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं। उन्होंने कहा, हालांकि एआई असाधारण संभावनाओं के द्वार खोलता है, हमें इसके अंधकारमय पक्ष का सामना करना होगा। नवाचार को शक्ति प्रदान करने वाले उन्हीं उपकरणों का उपयोग धोखे एवं धोखाधड़ी के लिए भी किया जा सकता है। मैं इसे व्यक्तिगत नहीं बना रही हूं, लेकिन मैं कह सकती हूं कि मैंने अपने कई 'डीपफेक' वीडियो देखे हैं जिन्हें ऑनलाइन प्रसारित किया जा रहा है...।नागरिकों को गुमराह करने और तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने के लिए उनका इस्तेमाल किया जा रहा है।

वित्त मंत्री ने कहा, यह इस बात को याद दिलाता है कि हमें अपनी सुरक्षा व्यवस्था को कितनी तेजी से मजबूत करना होगा। सीतारमण ने कहा कि धोखाधड़ी की नई पीढ़ी अब 'फायरवॉल' (सुरक्षा प्रणाली) तोड़ने के बारे में नहीं, बल्कि भरोसे को तोड़ने के बारे में है। उन्होंने कहा कि अपराधी आवाजों की नकल करने, नकली पहचान बनाने तथा असली दिखने वाली नकली वीडियो बनाने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं जिससे लोगों को प्रभावित किया जा सकता है। मंत्री ने कहा कि भारत में वित्तीय प्रौद्योगिकी कोई विशिष्ट सुविधा नहीं है, बल्कि यह आर्थिक सशक्तिकरण का जरिया बना है। भारत की वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) यात्रा ने एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना से संचालित, रोजमर्रा के भुगतानों को जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बना दिया है।

उन्होंने कहा, यह इस बात पर विचार करने का एक अच्छा अवसर है कि हम किस प्रकार का वित्तीय भविष्य बनाना चाहते हैं और हम उस तक कैसे पहुंच सकते हैं।

विनियमों से नवाचार बाधित नहीं होना चाहिए: नीति आयोग सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने मंगलवार को कहा कि विनियमों से नवाचार बाधित नहीं होना चाहिए। उन्होंने 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025' में कहा कि संस्था आधारित विनियमन से गतिविधि आधारित विनियमन की ओर बढ़ने की आवश्यकता है।

सुब्रह्मण्यम ने कहा, हमें ऐसी स्थिति में नहीं आना चाहिए, जहां विनियमन नवाचार को इस हद तक बाधित कर दे कि नवाचार कहीं और होने लगे। नियामकों को चुस्त-दुरुस्त रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, फिनटेक की संभावनाओं को साकार करने के लिए विनियमन में एक और बदलाव की आवश्यकता हो सकती है। यह संस्था आधारित विनियमन से हटकर वास्तव में गतिविधि आधारित विनियमन की ओर बढ़ना है। सुब्रह्मण्यम ने कहा, अगर मैं कोई बैंकिंग उत्पाद पेश कर रहा हूं, तो मुझे एक बैंकर के रूप में विनियमित करें और अपने सभी मानदंड वहां लागू करें। अगर मैं कोई फंड वितरित कर रहा हूं, तो मुझे उसके लिए एक बैंकर के बजाय एक वितरक के रूप में विनियमित करें।

नीति आयोग के सीईओ ने बताया कि वित्त मंत्रालय और नियामक इस पर गहन चर्चा कर रहे हैं कि यह कैसे संभव हो सकता है। सुब्रह्मण्यम ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) अभूतपूर्व पैमाने पर उथल-पुथल मचाने जा रहा है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि चिंता (एआई के कारण) नौकरियों के जाने की है। चिंता नौकरियों के स्थान पर नई नौकरियों के आने की है। मुझे लगता है कि यही सबसे बड़ी बात है। उनके अनुसार, एआई प्रक्रियाओं को पूरी तरह से नया रूप देने और कुछ कार्यों को करने के तरीके को बदलने में मदद करेगा।

एअर इंडिया विमान दुर्घटना जांच में कोई हेराफेरी नहीं हो रही : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच में ''कोई हेराफेरी नहीं हो रही। इस दुर्घटना में 260 लोग मारे गए थे। उनका यह बयान वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा इस हादसे की जांच को लेकर कुछ हलकों में व्यक्त की गई चिंताओं की पृष्ठभूमि में आया है।

नायडू ने कहा कि वास्तव में क्या हुआ था, यह जानने के लिए सभी को एएआईबी की अंतिम जांच रिपोर्ट का इंतजार करना होगा।

मंत्री ने यहां एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम से इतर कहा, जांच में कोई हेराफेरी या कोई गड़बड़ी नहीं हो रही है। यह एक बहुत ही साफ-सुथरी और गहन प्रक्रिया है, जिसे हम नियमों के अनुसार कर रहे हैं...।

मंत्री ने यह भी कहा कि दुर्घटना पर एएआईबी की अंतिम रिपोर्ट आने में कुछ समय लगेगा। देश में हुए सबसे भीषण विमान हादसों में से एक में, 12 जून को अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद एअर इंडिया की उड़ान एआई171 दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें 241 यात्रियों सहित कुल 260 लोगों की जान चली गई।

एएआईबी ने 12 जुलाई को जारी अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा था कि विमान के दोनों इंजनों की ईंधन आपूर्ति एक सेकेंड के अंतराल में बंद हो गई, जिससे उड़ान भरने के तुरंत बाद कॉकपिट में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने 22 सितंबर को सरकार से एअर इंडिया विमान दुर्घटना की न्यायिक जांच का आदेश देने का आग्रह किया और जारी जांच रोकने की मांग की थी। एफआईपी लगभग 5,500 पायलट का प्रतिनिधित्व करता है। एअर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त विमान के पायलटों में से एक कैप्टन सुमित सभरवाल के पिता पुष्करराज सभरवाल ने 29 अगस्त को केंद्र सरकार से औपचारिक जांच की मांग की।

कतर में भारतीय कंपनियों के साथ साझेदारी को लेकर काफी उत्साह : गोयल

दोहा/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि कतर में भारतीय व्यवसायों के साथ साझेदारी को लेकर काफी उत्साह है। उन्होंने कहा कि यह उत्सुकता न केवल दोनों देशों में निवेश के लिए है, बल्कि तीसरे देशों की परियोजनाओं में सहयोग के लिए भी है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि कतर स्थित अल बालाघ, लार्सन एंड टुब्रो का भागीदार है। उन्होंने कतर में परियोजनाएं पूरी की हैं, और अब उनकी तीसरे देशों में भी इसी तरह की परियोजनाएं शुरू करने की योजना है। अल बालाघ के चेयरपर्सन शेरिदा साद जुबरान अल काबी से मुलाकात के बाद उन्होंने संवाददाताओं से यह बात कही। गोयल कतर विकास बैंक के सीईओ अब्दुलरहमान हेशाम अल सोवैदी से भी मुलाकात की।

गोयल ने कहा, कतर सरकार तीसरे देशों की परियोजनाओं पर भी विचार कर रही है और मुझे बताया गया है कि कतर विकास बैंक वित्तपोषण की गारंटी देने को तैयार है। मंत्री ने कहा कि भारतीय कंपनियों को कतर के व्यापारियों और तीसरे देशों के साथ साझेदारी के लिए इस तरह के गारंटी वाले वित्तपोषण पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। ये साझेदारियां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारत और कतर जल्द ही एक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत की रूपरेखा को अंतिम रूप देंगे और यह समझौता अगले साल के मध्य या तीसरी तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है। गोयल दो दिवसीय दौरे पर यहां आए हैं।

गृह मंत्रालय ने देश भर में विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया

नई दिल्ली/भाषा। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उसने देश भर के विभिन्न स्थानों पर 2,400 से अधिक स्वच्छता अभियान आयोजित किए हैं और अपने तथा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कार्यालयों में 79,774 वर्ग फुट स्थान को साफ किया है। लंबित मामलों को कम करने के प्रयासों के तहत मंत्रालय ने 10 महीनों में सांसदों द्वारा भेजे गए 493 संदर्भों, राज्य सरकारों के 104 और प्रधानमंत्री कार्यालय के 30 अन्य संदर्भों का भी निपटान किया है। गृह मंत्रालय और इसके संगठनों ने नवंबर 2024 से अगस्त 2025 तक मासिक आधार पर लंबित मामलों को कम करने के लिए विशेष अभियान चलाया। एक विज्ञप्ति के अनुसार मंत्रालय ने क्षेत्रीय/बाहरी कार्यालय सहित विभिन्न स्थानों पर 2405 स्वच्छता अभियान आयोजित किए। सांसदों के 493 संदर्भों, मंत्रिमंडल के दो प्रस्तावों, राज्य सरकारों के 104 संदर्भों और प्रधानमंत्री कार्यालय के 30 संदर्भों का निपटारा किया गया। इसमें कहा है कि नवंबर 2024 से अगस्त 2025 के दौरान प्राप्त 40880 जन शिकायतों और 1864 जन शिकायत अपीलों का मंत्रालय द्वारा निपटारा किया गया। आंकड़ों के संकलन को सुचारू बनाने और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए गृह मंत्रालय एक अंतर-मंत्रालय पोर्टल का उपयोग कर रहा है, जिसमें मंत्रालय के सभी प्रभागों के साथ-साथ केन्द्रशासित प्रदेशों/दिल्ली पुलिस द्वारा अभियान से संबंधित डेटा अपलोड किया जाता है। प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग द्वारा आयोजित विशेष अभियान 5.0 के लिए गृह मंत्रालय सक्रिय रूप से विशेष अभियान संचालित कर रहा है, जिसमें टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल कार्यस्थलों पर ध्यान देने के साथ-साथ सांसदों से प्राप्त लंबित संदर्भों, राज्य सरकारों से प्राप्त संदर्भों, संसदीय आश्वासनों, अंतर-मंत्रालयी परामर्शों, लोक शिकायतों/अपीलों का निपटारा और बेहतर रिकॉर्ड प्रबंधन शामिल है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चार रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने करीब 24,634 करोड़ रुपए की लागत वाली चार 'मल्टी-ट्रैकिंग' रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान के मुताबिक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ के 18 जिलों से गुजरने वाली इन चार परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 894 किलोमीटर की वृद्धि होगी। इससे लोगों, माल और सेवा की आवाजाही और सुलभ होगी। बयान के मुताबिक, मंत्रिमंडल ने जिन परियोजनाओं को हरी झंडी दी है, उनमें महाराष्ट्र के वर्धा से भुसावल के बीच 314 किलोमीटर की दूरी को कवर करने वाली तीसरी और चौथी लाइन हैं, महाराष्ट्र के गोंदिया और छत्तीसगढ़ में डोंगरगढ़ के बीच 84 किमी लंबी चौथी लाइन, गुजरात के वडोदरा और मध्य प्रदेश में रतलाम के बीच 259 किमी लंबी तीसरी और चौथी लाइन, और मध्य प्रदेश में इटारसी-भोपाल-बीना के बीच 84 किलोमीटर लंबी चौथी लाइन शामिल हैं। बयान के मुताबिक, स्वीकृत मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से लगभग 3,633 गांवों, जिनकी जनसंख्या लगभग 85.84 लाख है, तथा दो आकांक्षी जिलों (विदिशा और राजनांदगांव) तक रेल संपर्क में वृद्धि होगी। वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि बढ़ी हुई लाइन क्षमता से ट्रेन का परिचालन और सुलभ होगा, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा।

सरकार फिर बढ़ा सकती है पीएम-कुसुम की समय-सीमा

नई दिल्ली/भाषा। सरकार पीएम-कुसुम योजना की समयसीमा फिर बढ़ा सकती है क्योंकि इस पहल के दो प्रमुख घटक अपने लक्ष्य का 50% भी हासिल नहीं कर पाए हैं। आधिकारिक सूत्र ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) योजना 2019 में शुरू की थी। इसका लक्ष्य 2022 तक 30,800 मेगावाट की सौर क्षमता जोड़ना था। इसमें कार्यान्वयन एजेंसियों के लिए सेवा शुल्क सहित 34,422 करोड़ रु. की केंद्रीय वित्तीय सहायता शामिल थी।

ईडी ने 'फर्जी' कॉल सेंटर मामले में दिल्ली-एनसीआर में कई स्थानों पर छापे मारे

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को एक ''फर्जी'' कॉल सेंटर के खिलाफ धन शोधन की जांच के तहत दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कई स्थानों पर छापेमारी की।

अधिकारियों ने बताया कि इस कॉल सेंटर पर कई विदेशियों से लाखों अमेरिकी डॉलर की ठगी करने का आरोप है।

धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत मुंबई के अलावा दिल्ली, नोएडा और गुरुग्राम में कम से कम 15 परिसरों पर छापे मारे गए।

ईडी की जांच दिल्ली पुलिस द्वारा करण वर्मा नामक व्यक्ति के अलावा कुछ अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज की गई कई प्राथमिकियों पर आधारित है।

विद्यारण्यपुरा में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' दशहरा महोत्सव में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' विचार से प्रेरित होकर शहर के विद्यारण्यपुरा क्षेत्र में दशहरा उत्सव उपरांत रविवार को एक शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी व भाजपा बिहार के प्रदेश सचिव रत्नेश कुशवाहा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन भाजपा के कर्नाटक प्रदेश सचिव तम्मेश गौड़ा, ऑल प्रकोष्ठ प्रभारी दत्तात्रेय, अल्पसंख्यक मोर्चा के महासचिव इन्द्रकुमार जैन, राज्य सहसंयोजक सनी राज आदि ने अतिथियों का सम्मान किया। कार्यक्रम में एकता, संस्कृति और देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यकमों में लोकप्रिय गायिका अनुपमा व अन्य कलाकारों ने प्रस्तुति दी।

उत्तर भारतीय समाज को एक सूत्र में बाँधने व सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की भावना को साकार करने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम के लिए आयोजक भाजपा नेता तम्मेश गौड़ा को धन्यवाद दिया गया। सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि विकास का रास्ता तभी मजबूत होगा जब केंद्र और राज्य दोनों एक दिशा में काम करें और उन्होंने बिहार में डबल इंजन की सरकार के पुनर्गठन का विश्वास जताया।

रत्नेश कुशवाहा ने सभी को आगामी चुनावों के दौरान बिहार आने और अपने जन्मस्थान के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में माँ दुर्गा सेवा समिति, बिहार भवन, भोजपुरी समाज, नवदुर्गा सेवा समिति, ब्रह्मर्षि समाज, विश्वकर्मा समाज सहित अनेक उत्तरभारतीय संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वच्छता अभियान

मैसूरु के बन्नूर रोटरी क्लब के सदस्यों ने बन्नूर कस्बे के समीप हेगूर तालाब के तट पर स्थित मतितालेश्वर मंदिर परिसर में मंगलवार को साफ सफाई की तथा तालाब के पानी को साफ करते हुए आसपास की झाड़ियों को काटा। संस्था के अध्यक्ष महेंद्रसिंह राजपुरोहित ने कहा कि अपने आसपास और अपने गांव, शहर के मंदिर व धरोहरों को साफ सुथरा रखना हम सभी का कर्त्तव्य है। स्वच्छ रहने से व्यक्ति में आत्मविश्वास बढ़ता है, तनाव कम होता है और दूसरों के प्रति सकारात्मक व्यवहार विकसित होता है। इस अवसर पर मंदिर के व्यवस्थापक शिव कुमार, डॉ. राजीव आदि स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान में भाग लिया।

'दक्षिण भारत ग्रैंड कायस्थ महासम्मेलन' को लेकर ऑनलाइन बैठक में हुई चर्चा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस में (जीकेसी) सम्पूर्ण विश्व के कायस्थों को एक सूत्र में पिरोने को दृढ़ संकल्पित ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद के प्रयास को मजबूती देने के लिए दक्षिण भारत ग्रैंड कायस्थ महासम्मेलन 2026 का आयोजन करने जा रहा है। उसी के संदर्भ में एक अति महत्वपूर्ण ऑनलाइन बैठक प्रबंध न्यासी रागिनी रंजन की अध्यक्षता में रविवार को सम्पन्न हुई। बैठक का उद्देश्य समुदाय में बेहतर समन्वय, सदस्यता विस्तार तथा आगामी जनवरी में होने वाले दक्षिण भारत ग्रैंड कायस्थ महासम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा करना था। बैठक में राष्ट्रीय महासचिव नवीन कुमार, कर्नाटक प्रदेश के अध्यक्ष नितेश शरण, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुमार मानवेंद्र, प्रबंध न्यासी रागिनी रंजन, राज्य महासचिव उत्कर्ष आनंद, ग्लोबल महासचिव (कला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ) एवं कर्नाटक प्रभारी पवन सक्सेना ने विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए महासम्मेलन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सदस्यता अभियान प्रभारी निलेश रंजन ने ऑनलाइन प्राथमिक सदस्यता अभियान के बारे में बताया। इस बैठक में अनक ग्लोबल व कर्नाटक प्रांतीय पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सदस्यता का विस्तार, कला एवं संस्कृति आधारित अधिक कार्यक्रमों का आयोजन कर आपसी जुड़ाव बढ़ाना व समितियों के बीच समन्वय को और मजबूत बनाने जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

एआई साइबर धोखाधड़ी को और अधिक लक्षित बना रहा: सीईआरटी-आईएन प्रमुख

मुंबई/भाषा। सरकारी साइबर सुरक्षा एजेंसी सीईआरटी-आईएन के प्रमुख संजय बहल ने मंगलवार को चेतावनी दी कि कृत्रिम मेधा (एआई) साइबर धोखाधड़ी को और अधिक लक्षित बना रहा है तथा नई तकनीकों के आने से साइबर हमलों की संख्या बढ़ती रहेगी।

सीईआरटी-आईएन (केंद्रीय आपातकालीन प्रतिक्रिया दल) के महानिदेशक बहल ने यहां 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' 2025 के एक सत्र में कहा, दुर्भावनापूर्ण तत्व सबसे पहले तकनीक का इस्तेमाल शुरू करते हैं। अगर आप साइबर धोखाधड़ी हमलों को देखें, तो उनमें एआई का खूब इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने कहा, पहले, आप समझ सकते थे कि यह एक धोखाधड़ी वाला ईमेल है। जो लोग सतर्क थे और उन्हें कुछ अंदाजा था कि धोखाधड़ी कैसे होती है। लेकिन आज, वे भी मूर्ख बन रहे हैं क्योंकि एआई इसे (हमले को) इतना सटीक बना रहा है कि आप यह पता नहीं लगा सकते कि यह एक धोखाधड़ी वाला ईमेल है या नहीं।

सीजेआई की ओर जूता उछालने वाले वकील को कोई डर नहीं था : महबूबा मुफ्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को दावा किया कि भारत के प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई की ओर जूता उछालने की कोशिश ''भाजपा के विकसित भारत की एक डरावनी छवि'' पेश करती है क्योंकि हमलावर ने इस आत्मविश्वास के साथ काम किया कि उसे किसी अंजाम का डर नहीं था।

मुफ्ती ने कहा कि अब अदालत के सामने सवाल सिर्फ कानूनी ही नहीं, बल्कि अस्तित्व का भी है। उन्होंने कहा, प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई की ओर जूता उछालने की कोशिश इसकी एक भयावह तस्वीर पेश करता है कि 2047 तक भाजपा का विकसित भारत कैसा दिखेगा। हमलावर ने इस आत्मविश्वास के साथ काम किया कि उसे उसके निंदनीय कृत्य के लिए कोई वास्तविक परिणाम नहीं भुगतना पड़ेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती ने कहा कि यह भारत में नई सामान्य बात बन गई है। उन्होंने कहा, गोडसे के भारत में यह नई सामान्य बात है जहां 'लिंचिंग' करने वालों को माला पहनायी जाती है, बलात्कारियों को माफ कर दिया जाता है और नफरत को पुरस्कृत किया जाता है। वह उमर खालिद या शरजील इमाम नहीं हैं जिन्हें असहमति व्यक्त करने के लिए बिना जमानत के वर्षों तक जेल में रखा गया है। उन्होंने कहा, अब अदालत के सामने सवाल सिर्फ कानूनी नहीं, बल्कि अस्तित्व का भी है। क्या न्यायपालिका संविधान की रक्षा के लिए आगे आएगी या चुप रहेगी जब उसे सचमुच जूतों तले रौंदा जा रहा है?''

सोमवार को अदालत की कार्यवाही के दौरान 71 वर्षीय एक वकील राकेश किशोर ने प्रधान न्यायाधीश गवई की ओर जूता उछालने की कोशिश की। अदालत कक्ष के अंदर मौजूद सतर्क सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और हमले को रोका। जब राकेश किशोर को अदालत परिसर से बाहर ले जाया जा रहा था, तो वकील को चिल्लाते हुए सुना गया, सनातन का अपमान नहीं सहेंगे।

उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में मंगलवार को चेन्नई ट्रेड सेन्टर नंदंबक्कम में टीआईडीसीओ, बीसीआई एयरोस्पेस (फ्रांस) और तमिलनाडु एयरोस्पेश इंडस्ट्री डेवलमेन्ट एसोसिएशन द्वारा आयोजित एयरोस्पेश और रक्षा क्षेत्र के तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया। प्रदर्शनी में एएएल के एक स्टॉल का दौरा करते हुए मुख्यमंत्री एवं अन्य।

कुशलक्षेम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में 7 अक्टूबर को उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने पीएमके पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ.रामदास से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। रामदास चेन्नई के अपोलो अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। इस मौके पर उदयनिधि के साथ सांसद एडवोकेट आर.सुधा, विधायक जीके मणि आदि उपस्थित थे।

एअर इंडिया की कोलंबो-चेन्नई उड़ान से पक्षी टकराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एअर इंडिया की कोलंबो-चेन्नई उड़ान से मंगलवार को एक पक्षी टकरा गया, जिसके कारण एयरलाइन को अपनी वापसी यात्रा रद्द करनी पड़ी। हवाईअड्डा अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विमान में 158 यात्री सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि विमान सुरक्षित उतर गया और सभी यात्रियों को विमान से सुरक्षित उतार लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि हवाईअड्डे पर उतरने के बाद विमान से पक्षी के टकराने का पता चला। उन्होंने बताया कि विमान को रोक दिया गया है और एअर इंडिया के इंजीनियरों ने व्यापक जांच की । एयरलाइन के अधिकारियों ने इस घटना के कारण विमान की वापसी यात्रा रद्द कर दी। एयरलाइन ने 137 यात्रियों के लिए एक अन्य विमान की व्यवस्था की, जो बाद में कोलंबो के लिए रवाना हो गए।

तमिलनाडु एयरोस्पेस, रक्षा क्षेत्रों के केंद्र के रूप में तेजी से अपना स्थान बना रहा : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को कहा कि राज्य भारत के एयरोस्पेस और रक्षा नवाचार केंद्र के रूप में तेजी से अपना स्थान बना रहा है। उन्होंने एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र 2025 पर उद्योग विभाग द्वारा आयोजित एक सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद कहा कि राज्य ने तमिलनाडु रक्षा औद्योगिक गलियारे में 23,000 करोड़ रुपये का निवेश हासिल किया है।

उन्होंने कहा, तमिलनाडु रक्षा औद्योगिक गलियारे में 23,000 करोड़ रुपये के निवेश, उन्नत यूएवी प्रणालियों, अग्रणी एयरोस्पेस अनुसंधान और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में मजबूत एकीकरण के साथ, तमिलनाडु भारत के एयरोस्पेस, अंतरिक्ष और रक्षा नवाचार केंद्र के रूप में अपनी उड़ान भर रहा है। निवेश को बढ़ावा देने और उद्योगों को अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से, पहली बार उद्योग विभाग ने 'एयरोडेफकॉन 2025' का आयोजन किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा, यह सिर्फ़ एक प्रदर्शनी नहीं है। यह नए उद्योगों और विनिर्माताओं की पहचान करने और उनके साथ सहयोग करने का एक मंच है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु राज्य के हर उद्योग में अपनी पहचान बना रहा है और विनिर्माण क्षेत्र में अग्रणी है। उन्होंने पूछा, क्या आप जानते हैं कि देश से कुल ऑटोमोबाइल निर्यात में तमिलनाडु का योगदान लगभग 40 प्रतिशत है? उन्होंने कहा कि देश में उत्पादन होने वाले कुल इलेक्ट्रिक वाहनों में से लगभग दो-तिहाई तमिलनाडु से हैं।

न्यायमूर्ति गवई पर हमला अस्वीकार्य : पलानीस्वामी

चेन्नई। आल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव ई. के. पलानीस्वामी ने भारत के प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई पर हमले की मंगलवार को निंदा की और कहा कि इस तरह की हिंसा अस्वीकार्य है और इसकी कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए। पलानीस्वामी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय परिसर में न्यायमूर्ति बी आर गवई पर (छह अक्टूबर को एक वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा) हमले की घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है।

पलानीस्वामी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, किसी भी तरह की हिंसा, खासकर न्याय के ऐसे पवित्र संस्थानों में, अस्वीकार्य है और इसकी कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री पलानीस्वामी ने कहा, अराजकता के बीच न्यायमूर्ति गवई की संयमित और गरिमापूर्ण प्रतिक्रिया उनकी ईमानदारी, साहस और हमारे संविधान के आदर्शों में उनके अटूट विश्वास का प्रमाण है।

भाजपा तमिलनाडु चुनाव प्रभारी पांडा ने अन्नाद्रमुक प्रमुख से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा ने मंगलवार को यहां आल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव ई. के. पलानीस्वामी से मुलाकात की।

भाजपा द्वारा तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के प्रभारी बनाये गए पांडा ने पलानीस्वामी से उनके आवास पर मुलाकात की। उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन और अन्य नेता भी थे। भाजपा के वरिष्ठ नेता पांडा ने राज्य में संगठन को और मजबूत करने की कवायद के तहत छह अक्टूबर को भाजपा प्रदेश मुख्यालय कमलालयम में भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों और पार्टी की कोर समिति के सदस्यों के साथ बैठक की थी। ओडिशा से सांसद पांडा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, हमारे कार्यकर्ता हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं, पार्टी के विकास और पहुंच के पीछे प्रेरक शक्ति हैं। संगठनात्मक बैठकों के लिए चेन्नई पहुंचने पर (छह अक्टूबर को) चुनाव प्रभारी के रूप में राज्य के मेरे पहले दौरे पर (भाजपा पदाधिकारियों द्वारा) गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

एथर एनर्जी ने 5 लाख वां इलेक्ट्रिक स्कूटर उत्पादन की उपलब्धि को पार किया

एथर की होसुर सुविधा से रिज़्टा के रोलआउट से चिह्नित किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसुरु। भारत की अग्रणी इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता, एथर एनर्जी लिमिटेड ने मंगलवार को अपने होसुर, तमिलनाडु में स्थित विनिर्माण संयंत्र से अपना 5,00,000वां वाहन रोल-आउट करते हुए एक महत्वपूर्ण उत्पादन मील का पत्थर घोषित किया। यह मील का पत्थर वाहन एथर का प्रमुख फैमिली स्कूटर रिज़्टा था, जो पिछले साल लॉन्च होने के बाद से तेजी से ब्रांड के लिए सबसे मजबूत विकास चालकों में से एक के रूप में उभरा है। इस उपलब्धि पर बोलते हुए, एथर एनर्जी के सह-संस्थापक और सीटीओ, स्वप्निल जैन ने कहा, 5,00,000 स्कूटरों को पार करना एथर के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। हमारे पहले प्रोटोटाइप से लेकर आज तक, हमारी यात्रा न केवल वाहन बनाने, बल्कि एक स्केलेबल, विश्वसनीय और सुसंगत विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के बारे में रही है। यह उपलब्धि वर्षों की केंद्रित इंजीनियरिंग, कठोर परीक्षण और उत्पादन के हर चरण में गुणवत्ता पर सावधानीपूर्वक ध्यान देने को दर्शाती है। यह पूरे कंपनी में टीमों के समर्पण और हमारे मालिक समुदाय के विश्वास और समर्थन को भी उजागर करता है, जो इस पूरी यात्रा में हमारे साथ रहे हैं। एथर वर्तमान में होसुर, तमिलनाडु में दो विनिर्माण सुविधाओं का संचालन करता है, एक वाहन असेंबली के लिए और एक बैटरी उत्पादन के लिए। होसुर सुविधा में प्रति वर्ष 4,20,000 स्कूटरों की विनिर्माण क्षमता है।

नौकायन को बढ़ावा देने के लिए भारतीय तटरक्षक बल तमिलनाडु के साथ करेगा सहयोग

चेन्नई। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी), तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण (एसडीएटी) और तमिलनाडु नौकायन संघ (टीएनएसए) ने पूरे तमिलनाडु में नौकायन व जल क्रीड़ा गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा उनके विस्तार के लिए साझेदारी करने और अपने संसाधनों तथा विशेषज्ञता को साझा करने का निर्णय लिया है। आईसीजी के उप महानिरीक्षक आई जे सिंह, एसडीएटी के सदस्य सचिव मेघनाथ रेड्डी, और टीएनएसए के उपाध्यक्ष अशोक ठक्कर ने छह अक्टूबर को इस आशय के एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस साझेदारी का उद्देश्य नौकायन और अन्य जल क्रीड़ा गतिविधियों को बढ़ावा देना, साथ ही युवा विकास और प्रशिक्षण के लिए नए अवसर पैदा करना है। समझौता ज्ञापन के अनुसार, आईसीजी कर्मियों और उनके परिवारों को टीएनएसए की सुविधाओं तक पहुंच और प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

अभिनेता-नेता विजय ने करूर भगदड़ के पीड़ित परिवारों से बात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अभिनेता-नेता विजय ने व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल के माध्यम से करूर भगदड़ के पीड़ितों के परिवारों से संपर्क शुरू किया और उन्हें सहायता का आश्वासन दिया। एक पीड़ित परिवार ने बताया कि तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) पार्टी के प्रमुख ने छह अक्टूबर की शाम को वीडियो कॉल की थी। पीड़ित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मिलने नहीं जाने के कारण विजय को कुछ वर्गों की आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। पीड़ित परिवार के एक सदस्य ने करूर में पत्रकारों को बताया, ''उन्होंने मेरे दामाद को फोन किया और संवेदनाएं जतायीं। उन्होंने इस घटना पर खेद व्यक्त किया और कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए था। साथ ही उन्होंने परिवार को अपनी सहायता का आश्वासन भी दिया।'' एक अन्य परिवार से बात करते हुए विजय ने एक महिला को सांत्वना देते हुए कहा, ''मैं आपके बेटे जैसा हूं।'' टीवीके के एक सूत्र ने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि विजय करूर जाएंगे या नहीं। उन्होंने कहा, ''लेकिन उन्होंने पार्टी सदस्यों से पीड़ित परिवारों से संपर्क करने को कहा है।'' टीवीके ने अभी तक विजय के व्हाट्सएप वीडियो कॉल के संबंध में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन कम से कम तीन परिवारों ने पुष्टि की है कि छह अक्टूबर की रात से उनकी सहानुभूतिपूर्ण बातचीत आज भी जारी रही।

विजय ने जिस युवती से बात की, वह उस पीड़ित की बहन थी जो 27 सितंबर को वेलुसामीपुरम में टीवीके प्रमुख की रैली में मची भगदड़ में मारे गए 41 लोगों में शामिल था। युवती ने कहा कि वह इस घटना के लिए अभिनेता को दोषी नहीं ठहरा सकती।। उन्होंने करूर में मीडिया को बताया, मेरा भाई विजय से मिलने गया था, और वह वापस नहीं लौटा। बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अधिकारी और पुलिस बल तैनात कर सकते थे। युवती ने कहा, उन्होंने (विजय) मुझे सांत्वना दी। वह मेरे लिए भाई जैसा हैं। विजय ने कहा कि वह अदालती मामले के कारण नहीं आ सकते और अधिकारियों से अनुमति मिलने के बाद ही हमसे मिलने आएंगे। टीवीके की पांच सदस्यीय टीम शोक संतप्त परिवारों के घर गई और उनकी विजय से बातचीत का इंतजाम किया। प्रभावित परिवारों से संपर्क करने के विजय के प्रयासों को लेकर एक सवाल पर, तमिलनाडु के जल संसाधन मंत्री दुरईमुरुगन ने कहा, ''अगर विजय (भगदड़ में मौतों के लिए) दोषी नहीं हैं, तो उन्हें शोक संतप्त परिवारों को संवेदना व्यक्त करने के लिए व्यक्तिगत रूप से जाना चाहिए था। लेकिन वह बाहर निकलने से डरते हैं।''

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारत सरकार/GOVERNMENT OF INDIA
खेल विभाग /DEPARTMENT OF SPORTS
(An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports)
(युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय)
(मनाव संसाधन प्रभाग-II)

मुख्य कार्यालय, द्वार सं. 10
(पूर्वी द्वार), जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम
लोधी रोड, नई दिल्ली- 110003

फ़ाइल संख्या : 01-04001(03)/11/2025-Recruitment Cell दिनांकः 18-09-2025

भारतीय खेल प्राधिकरण भर्ती - सहायक निदेशक (राजभाषा) पद

भारतीय खेल प्राधिकरण(SAI), जो युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्तशासी संगठन है, सहायक निदेशक के 01 पद हेतु आवेदन आमंत्रित करता है।

यह पद वेतन मैट्रिक्स लेवल-10 (रु. 56100 - 177500/-) पर प्रतिनियुक्ति (अल्पकालीन अनुबंध सहित) के आधार पर 3 वर्ष की अवधि के लिए खेल प्राधिकरण के मुख्यालय, नई दिल्ली तथा विभिन्न क्षेत्रीय इकाइयों में स्थित है।

पात्र अधिकारी निर्धारित प्रपत्र में आवश्यक दस्तावेजों सहित अपना आवेदन उपनिदेशक (मानव संसाधन प्रभाग-II), भारतीय खेल प्राधिकरण, जे.एन. स्टेडियम कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली - 110003 को भेज सकते हैं। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 17 नवंबर, 2025 (शाम 5:00 बजे तक) है।

विस्तृत विज्ञापन, पात्रता मापदंड, आवेदन प्रपत्र एवं निर्देश भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइट (www.sportsauthorityofindia.nic.in) पर उपलब्ध होंगे।

CBC 47103/12/0009/2526

सिम्स हॉस्पिटल में दुर्लभ हृदय रोग से पीड़ित छात्र का सफलतापूर्वक उपचार

चेन्नई। यहां सिम्स हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने केरल के 28 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र की महाधमनी ब्लॉक वाल्व का उपचार करने में सफलता प्राप्त की है। छात्र दुर्लभ हृदय रोग से पीड़ित था जिससे उसे पिछले दो महीनो से सांस लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था स्थानीय अस्पतालों में उपचार के दौरान पता चला कि उसे दो गंभीर स्वास्थ्य समस्या है जिसमें पहला पोर्शिलेन एओर्टा (गंभीर रूप से या तो सख्त या नाजुक धमनी) व एओर्टिक वाल्व स्टेनोसिस (हृदय में रक्त प्रवाह को नियंत्रित करने वाले वाल्व का अत्यधिक संकुचित होना) है।

स्थानीय डाक्टरों ने सर्जरी की जटिलता और जोखिम के कारण मरीज को चेन्नई के सिम्स हॉस्पिटल में सर्जरी करने की सलाह दी। जहां विशेषज्ञ हृदय शल्य चिकित्सकों ने मरीज का एओर्टिक वाल्व का प्रतिस्थापन किया। पांच घंटे से अधिक समय चक चले इस दुर्लभ सर्जरी को अस्पताल के निदेशक एवं वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ बी वी बसी, कार्डियोथोरेसिक सलाहकार एवं सर्जन डॉ मोहम्मद इदरीश, वरिष्ठ सलाहकार डॉ अंजु जैकब वरिष्ठ सलाहकार एनेस्थीसिया डॉ अरुण कुमार की टीम द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। सिम्स हॉस्पिटल के अध्यक्ष डॉ रवि पचमुत्थु ने इस उपलब्धि पर कहा कि उनकी सर्जिकल टीम की उपलब्धि किसी चिकित्सा उपलब्धि से कम नहीं है। इसके लिए आवश्यक अद्भुत कौशल के कारण लगभग अंडे के छिलके जैसे कैल्शिफाइड एओर्टिक वाल्व और पोर्शिलेन एओर्टा के असाधारण संयोजन से पीड़ित अट्ठाइस वर्षीय मरीज का सफलतापूर्वक इलाज करना एक बहुत बड़ी चिकित्सा उपलब्धि है।

उन्होंने कहा कि अत्यधिक जटिल हृदय संबंधी स्थितियों में सर्जिकल स्टाफ की विशेषज्ञता दृढ़ता और रचनात्मकता ने न केवल एक जीवन बचाया बल्कि इस क्षेत्र में एक नया मानक भी स्थापित किया है।

कार्ति चिदंबरम की मामूली सर्जरी हुई, हालत में सुधार : अस्पताल

चेन्नई। कांग्रेस सांसद कार्ति पी चिदंबरम का मंगलवार को यहां अपोलो अस्पताल में एक ऑपरेशन हुआ। अस्पताल ने एक बुलेटिन जारी कर बताया कि उनकी सेहत में अब सुधार हो रहा है और आज ही उन्हें छुट्टी दिये जाने की संभावना है। चिकित्सा सेवा निदेशक डॉ. अनिल बीजी के हस्ताक्षर के साथ जारी बुलेटिन में कहा गया, सांसद कार्ति पी. चिदंबरम का आज चेन्नई के ग्रीम्स रोड स्थित अपोलो अस्पताल में डॉ. के. एस. संतोष आनंद द्वारा एक छोटा सा ऑपरेशन किया गया। उनकी हालत में सुधार है और आज ही उन्हें छुट्टी मिलने की उम्मीद है।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
www.nbtindia.gov.in, फोन : +91 7827509622

अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई)

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक शीर्ष निकाय है, जो भारत में पठन-पाठन को बढ़ावा देने के लिए उत्तरदायी है।

एनबीटी, इंडिया, केंद्रीय संचार ब्यूरो (डीएवीपी) द्वारा सूचीबद्ध आउटडोर मीडिया एजेंसियों से विभिन्न पुस्तक मेलों से संबंधित आयोजनों, जैसे नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 और राष्ट्रीय पुस्तक मेले, जो वर्ष भर आयोजित होते हैं; से संबंधित प्रचार-सामग्री प्रदर्शित करने हेतु अभिरुचि की अभिव्यक्ति (इओआई) आमंत्रित कर रहा है। ये अभियान संगठन की आवश्यकताओं के अनुसार, **नवंबर 2025 और मार्च 2026 के बीच 2 सप्ताह से 1 महीने** की अवधि के लिए **दिल्ली/एनसीआर, मुंबई, लखनऊ, नागपुर, पुणे, संबलपुर, गोरखपुर, अहमदाबाद, पूर्वोत्तर : गुवाहाटी, शिलांग, इंफाल, आइजोल, आदि** शहरों में चलाए जाने की उम्मीद है।

आवेदन पत्र और विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.nbtindia.gov.in** पर जाएँ। इच्छुक बोलीदाता से 28 अक्टूबर, 2025 या उससे पहले नीचे दिए गए पते पर सायं 05:00 बजे तक ईओआई जमा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। भविष्य में ईओआई जमा करने के लिए कोई भी संशोधन/विस्तार उपरोक्त वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

एजेंसियों को सूचीबद्ध करने और कार्यों के आवंटन पर निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।

ईओआई के आवेदन जमा करने हेतु पता :
जनसंपर्क विभाग
राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, वसंत कुंज, नई दिल्ली - 110070
ईमेल : **public-relations@nbtindia.gov.in, prnbtindia@gmail.com** cbc21103/12/0022/2526

सुनियोजित विकास से बढ़ेगा पर्यटन : खर्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प के साथ उदयपुर में विकास कार्यों का सुनहरा अध्याय लिखा जा रहा है। नगरीय विकास एवं आवासन, स्वायत्त शासन विभाग मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने अपने उदयपुर दौरे के दौरान सोमवार और मंगलवार को लगभग 35 करोड़ के विकास कार्यों और परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। मंत्री खर्रा ने मंगलवार को उदयपुर शहर के दक्षिण विस्तार योजना में नवनिर्मित सामुदायिक केंद्र का लोकार्पण, उदयपुर विकास प्राधिकरण की 1109 भूखंडों की तीन नवीन आवासीय योजनाओं के शुभारंभ सहित विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया। उन्होंने शहरी सेवा शिविरों में लाभार्थियों को पट्टा वितरण भी किया।

इस अवसर पर उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, समाजसेवी गजपाल सिंह राठौड़, रवींद्र श्रीमाली, पुष्कर तेली, संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, यूडीए आयुक्त राहुल जैन भी मौजूद रहे।

उदयपुर जिलें के दक्षिण विस्तार योजना में नवनिर्मित सामुदायिक केंद्र में आयोजित समारोह में मंत्री खर्रा ने कहा कि उदयपुर शहर पर्यटन के लिए दुनियाभर में मशहूर है। शहर का सुनियोजित विकास, साफ-सफाई, रोशनी और नागरिकों का सौम्य व्यवहार निश्चित रूप से पर्यटन को बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में शहरी और ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से अल्प आय वर्ग और मध्यम आय वर्ग के नागरिकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान के माध्यम से लगभग 35 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव पर हस्ताक्षर हुए। अब तक लगभग 5 लाख करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरकर काम शुरू हो चुका है। अक्टूबर माह के अंत तक लगभग 4-5 लाख करोड़ रूपये के अन्य निवेश प्रस्तावों पर भी धरातल पर काम शुरू हो जाएगा। इससे राजस्थान की आर्थिक उन्नति होगी, रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। मंत्री खर्रा ने कहा कि हमारे प्रदेश का बहुत बड़ा हिस्सा मरूस्थलीय होने से पानी की कमी और दूसरा बिजली का उत्पादन कम था। पिछले बीस माह में पेयजल और खेती के लिए जल की उपलब्धता के लिए काम किया गया है। पिछले साल दिसम्बर में राजस्थान के 17 जिलों के लिए माननीय प्रधानमंत्री के कर कमलों से राम जल सेतु परियोजना की शुरुआत हुई। वहीं, वर्षों से लंबित हरियाणा और राजस्थान सरकार के बीच यमुना जल समझौता होकर टास्क फोर्स का निर्माण हो चुका है। परियोजना रिपोर्ट प्राप्त होते ही उस पर भी तेजी से काम शुरू होगा। इससे शेखावाटी के तीन जिलों के लिए पानी का संकट समाप्त हो जाएगा। बांसवाड़ा में गुजरात के साथ हिस्सेदारी में माही बांध बना था। उसमें गुजरात की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। लेकिन उसमें एक यह शर्त थी कि जब भी गुजरात का सरदार सरोवर बांध का निर्माण पूरा हो जाएगा और सरदार सरोवर बांध का जल निर्धारित अंतिम क्षेत्र तक पहुंच जाएगा, तब गुजरात अपने हिस्से के जल पर अपना अधिकार छोड़ने पर विचार करेगा। राजस्थान और गुजरात सरकार के बीच प्रारंभिक बातचीत हो चुकी है और गुजरात सरकार ने सैद्धांतिक रूप से अपने जल के हिस्से पर दावा छोड़ने पर सहमति प्रदान कर दी है। इसके अलावा चम्बल और अन्य नदियों का पानी बहकर समुद्र में जाता है, उस पानी को भी नियोजित रूप से पाली, जोधपुर और नागौर ले जाने की परियोजना पर काम चल रहा है। पहलगाम हमले के बाद सिंधु जल संधि समझौते को निलंबित कर दिया गया है और अब प्रयास चल रहा है कि ब्यास नदी का पानी भी राजस्थान लाया जाए।

मंत्री खर्रा ने कहा कि राजस्थान सरकार एक और महत्वाकांक्षी योजना पर काम कर रही है। ताप बिजली घरों के कोयले की सप्लाई के लिए भारत सरकार ने राजस्थान को छत्तीसगढ़, झारखंड में कोयले के ब्लॉक आवंटित कर रखे हैं। राजस्थान सरकार वहां की राज्य सरकारों से बातचीत करके वहां नए ताप बिजली घर लगाने के लिए जमीन आवंटन करवाने के लिए प्रयास कर रही है। राजस्थान सरकार एनटीपीसी के साथ साढे. तीन लाख करोड़ की लागत से वहां नए ताप बिजली घर स्थापित करने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है। इससे सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि कोयले की ढुलाई में जितना खर्च होता है, उसके 10 फीसदी खर्च में ट्रांसमिशन लाइन के जरिए वहां उत्पादित बिजली राजस्थान ला पाएंगे। इस प्रकार जो 90 फीसदी की बचत होगी, उससे आम उपभोक्ताओं को बिजली दरों में राहत मिलेगी।

राजस्थान सरकार ने बजट में 5000 गांवों को गरीबी मुक्त बनाने की घोषणा की थी, जिसे बढ़ाकर अब चरणबद्ध रूप से10 हजार गांवों का लक्ष्य तय किया गया है। इन 10 हजार गांवों में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के माध्यम से गरीबों की आय बढ़ाकर गरीबी रेखा से ऊपर लाएंगे। राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सपना है कि कोई भी बिना आवास के न रहे। उन्होंने यूडीए की आवासीय भूखंड योजना को ऐतिहासिक पहल बताते हुए सभी को बधाई दी। उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा और शहर विधायक ताराचंद जैन ने विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि उदयपुर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत के साथ प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

परिवारों में हिंसक झड़प में वाहन की चपेट में आने से दो बहनों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अजमेर में दो परिवारों के बीच हिंसक झड़प के दौरान एक वाहन की टक्कर से दो बहनों की मौत हो गई तथा सात अन्य घायल हुए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के कायड़ तिराहा इलाके के पास सोमवार आधी रात के आसपास हुई। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान मीनाक्षी बंजारा (30) और पिंकी बंजारा (18) के रूप में हुई है। सिविल लाइंस थाना प्रभारी शंभू सिंह ने बताया कि परिवारों में आपसी विवाद व झड़प के बाद एक वाहन (बोलेरो) ने युवतियों को टक्कर मार दी। यह वाहन कथित तौर पर इन युवतियों के भतीजे के ससुराल पक्ष के लोग चला रहे थे।

पीड़ित पक्ष की ओर से ईश्वर बंजारा (30) ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी घरेलू विवाद के बाद तीन महीने पहले किशनगढ़ स्थित अपने मायके चली गई थी। उसे वापस लाने के प्रयासों के कारण दोनों परिवारों के बीच बहस हुई।

उन्होंने आरोप लगाया कि आधी रात को उनके ससुर छोटू लाल और कई अन्य लोग लाठियां लेकर उनके घर पहुंचे। पुलिस ने कहा, उन्होंने परिवार के सदस्यों पर हमला किया। जब उन्होंने भागने की कोशिश की तो उन्होंने उन्हें एक वाहन से टक्कर मार दी, जिसमें दो महिलाओं की मौत हो गई।

दोनों महिलाओं को जेएलएन सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हमले में परिवार के सात अन्य सदस्य घायल हो गए, जिनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने घटना के सिलसिले में दस संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

बीकानेर के पास मालगाड़ी पटरी से उतरी, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में बीकानेर के पास मंगलवार सुबह एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि घटना में जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार, बीकानेर से जैसलमेर की ओर जा रही एक मालगाड़ी बीकानेर मंडल के लालगढ़-फलोदी रेलखंड के गजनेर- कोलायत स्टेशनों के बीच पटरी से उतर गई। उन्होंने बताया कि मालगाड़ी खाली थी और इसके 37 डिब्बे पटरी से उतरे। हादसे में जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ।

उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही राहत व बचाव ट्रेन तथा अधिकारी मौके पर पहुंच गए। इस घटना के कारण इस मार्ग पर लालगढ़- जैसलमेर रेल (गाड़ी संख्या 14704) व जैसलमेर-लालगढ़ (गाड़ी संख्या 14703) मंगलवार को रद्द रहेगी। वहीं गाड़ी संख्या 12468- जयपुर-जैसलमेर रेल सेवा मंगलवार को जयपुर से प्रस्थान कर बीकानेर तक ही चलेगी। गाड़ी संख्या 12467, जैसलमेर - जयपुर रेलसेवा आठ अक्टूबर को जैसलमेर के स्थान पर बीकानेर से चलेगी।

अशोक गहलोत ने बेलगाम भ्रष्टाचार और अपनी योजनाएं बंद करने पर उठाए सवाल, बोले- सरकार नाम की कोई चीज है क्या?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में वर्तमान भाजपा सरकार के कामकाज और पिछली कांग्रेस सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं को कमजोर करने के मुद्दे पर तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में मौजूदा सरकार की प्रभावशीलता पर सीधा सवाल उठाते हुए कहा, सरकार तो क्या, सरकार नाम की भी चीज है क्या? गहलोत ने दावा किया कि वे प्रदेश में कहीं भी जाते हैं तो लोगों की एक ही शिकायत होती है: किस से जाकर शिकायत करें, बिना पैसे दिए काम हो नहीं रहा है। उन्होंने स्वीकार किया कि भ्रष्टाचार किसी भी पार्टी के शासन में पूरी तरह खत्म नहीं होता, लेकिन वर्तमान में यह बेलगाम हो गया है, जिससे लोगों को सबसे ज्यादा तकलीफ हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना पैसे दिए सुनवाई नहीं हो रही है और खुली छूट मिल गई है, जिससे कोई मॉनिटरिंग नहीं हो रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की लोकप्रिय स्वास्थ्य योजनाओं को कमजोर किए जाने पर लोगों में व्याप्त आक्रोश का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने दवाइयाँ, ऑपरेशन, इलाज, सीटी स्कैन और एमआरआई जैसी सुविधाएँ फ्री कर दी थीं, जिससे गाँव-गाँव में लोगों को फायदा हो रहा था, लेकिन अब वह स्थिति कमजोर हो गई है। उन्होंने अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना को बंद करने पर कड़ी आपत्ति जताई।

गहलोत ने कहा कि उस लोकप्रिय अन्नपूर्णा योजना को बंद करने की क्या जरूरत थी, जिसे गाँव-गाँव की महिलाएँ और बुजुर्ग याद करते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा: पूर्व सीएम (गहलोत) की फोटो लगी हुई थी उसके ऊपर थैले पर, वो फोटो हटा कर के पंडित भजनलाल की फोटो लग जाती मुख्यमंत्री की और स्कीम चालू रखते तो गरीबों का भला होता। उन्होंने कहा कि सरकार अब प्रधानमंत्री की फोटो लगाकर खाली थैला पकड़ा रही है, जिससे उल्टा सरकार की ही बेइज्जती हो रही है।

गहलोत ने स्पष्ट किया कि उनकी आलोचना राजनीतिक नहीं, बल्कि हकीकत पर आधारित है, और यह बातें सरकार के हित में हैं। उन्होंने कहा, मैं कोई मुख्यमंत्री के खिलाफ में सरकार के खिलाफ नहीं बोल रहा हूँ, अभी तो डेढ़ साल ही हुआ है इनको आए हुए, पाँच साल इनको राज करना है। उन्होंने कहा कि विपक्ष में होने के नाते उनका फर्ज बनता है कि वे सरकार की कमियों को बताएं, ताकि वह गुड गवर्नेंस दे और जनता को फायदा मिले। गहलोत ने अंत में कहा कि प्रदेश में पेंशन महीनों तक नहीं मिल रही है, नरेगा का पेमेंट रुका हुआ है और सब जगह हाहाकार मचा हुआ है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से वार्ता की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अंता विधानसभा उपचुनाव-2025 के लिए मतदान 11 नवम्बर को होगा, 21 अक्टूबर नामांकन की अंतिम तिथि है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सोमवार को घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 14 नवम्बर 2025 को मतगणना की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने मंगलवार को इस बारे में राज्य के विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ सचिवालय में बैठक कर उन्हें अंता विधानसभा उपचुनाव-2025 के कार्यक्रम तथा आदर्श चुनाव आचार संहिता की जानकारी दी। निर्वाचन विभाग ने सभी दलों से स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान तथा आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करवाने में सहयोग करने का आग्रह किया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अंता उपचुनाव-2025 की घोषणा के साथ ही संबंधित राजस्व जिले में आचार संहिता लागू हो गयी है। उन्होंने बताया कि उपचुनाव की अधिसूचना 13 अक्टूबर 2025 को जारी होगी। इसके साथ ही नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। 21 अक्टूबर 2025 नामांकन पत्र जमा कराने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 23 अक्टूबर को की जाएगी तथा 27 अक्टूबर 2025 तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे। महाजन ने कहा कि निर्वाचन आयोग के नियमानुसार चुनाव में भाग लेने वाले सभी प्रत्याशियों एवं राजनीतिक दलों को अपनी वेबसाइट, टीवी चैनल्स, राष्ट्रीय एवं स्थानीय समाचार पत्रों में प्रत्याशी की आपराधिक पृष्ठभूमि का विवरण कम से कम तीन बार प्रकाशित, प्रसारित करवाना होगा। उन्होंने कहा कि पोलिंग एजेंट को यह निर्देश दिया जाए कि वे मतदान के दिन सुबह मतदान शुरू होने से 90 मिनट पूर्व ईवीएम मशीन पर मॉक पोल के लिए आवश्यक रूप से मौजूद रहें।

उन्होंने बताया कि अंता विधानसभा क्षेत्र में 1 अक्टूबर 2025 तक कुल 2,27,563 मतदाता पंजीकृत हैं, जिसमें 1 लाख 16 हजार 405 पुरुष एवं 1 लाख 11 हजार 154 महिला और 4 अन्य मतदाता नामांकित है जो विधानसभा क्षेत्र में स्थापित 268 मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। महाजन ने बताया कि सभी संबंधित जिलों में मीडिया प्रकोष्ठ और मीडिया में जारी होने वाले राजनीतिक विज्ञापनों के अधिप्रमाणन के लिए जिला स्तरीय समितियों का गठन किया जा चुका है। उन्होंने अधिकाधिक मतदान के लिए मतदाताओं को जागरूक करने, नए मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया और ईवीएम की जानकारी देने तथा उपचुनाव के दौरान लोगों की अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मीडिया कार्मिकों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में संबंधित क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतों के निस्तारण हेतु सी-विजिल एप के बारे में जानकारी दी। उन्होंने 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग और 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की सुविधा एवं आयोग द्वारा प्रारंभ किए गए नवाचारों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने मतदाता जागरूकता तथा आचार संहिता उल्लंघन के मामलों में मीडिया की प्रभावी भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने मीडियाकर्मियों से इन गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होकर निष्पक्ष, भयमुक्त और धनबल के प्रभाव से रहित चुनाव संपन्न कराने में सहयोग का आह्वान किया।

महर्षि वाल्मीकि ने समाज को दिखाई नई राह : झाबर सिंह

जयपुर/दक्षिण भारत। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर नगर निगम उदयपुर की ओर से मंगलवार को सुखाड़िया रंगमंच सभागार में स्वच्छ सर्वेक्षण कार्यशाला एवं सफाई मित्र सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा रहे। इस अवसर पर नगर निगम अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि संत वाल्मीकि ने समाज को नई राह दिखाई और आज भी वाल्मीकि समाज पूरे समर्पण के साथ साफ-सफाई का दायित्व निभा रहा है। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को सफाई कर्मियों के प्रति अपनत्व का भाव रखना चाहिए।

सफाई कर्मचारी भर्ती को लेकर मंत्री खर्रा ने कहा कि यूनियनों एवं अन्य स्रोतों से लगातार सुझाव प्राप्त हो रहे हैं। इन्हीं सुझावों के आधार पर पूर्व में भर्ती प्रक्रिया स्थगित की गई थी।

वर्तमान में भी सभी पहलुओं का अध्ययन किया जा रहा है और शीघ्र ही भर्ती प्रक्रिया पुनः प्रारंभ की जाएगी। मंत्री खर्रा ने उदयपुर नगर निगम को स्वच्छता रैंकिंग में देश के शीर्ष 20 शहरों में स्थान पाने पर बधाई दी। उन्होंने विश्वास जताया कि निगम अधिकारियों-कर्मचारियों की मेहनत और शहरवासियों के सहयोग से आने वाले सर्वेक्षण में उदयपुर देश के शीर्ष 5 शहरों में शामिल होगा। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया।

राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने अपने संबोधन में सफाई कर्मियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि नगर स्वच्छ रहेगा तो समृद्धि अपने आप आएगी। समारोह में उदयपुर शहर की साफ-सफाई में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सफाई कर्मचारियों को मंत्री खर्रा एवं अन्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

न्यायालय ने सरकारी भवनों की हालत पर चिंता जताई

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में रविवार रात लगी आग के बाद राज्य में सरकारी भवनों की हालत पर चिंता व्यक्त की है। इस अग्निकांड में छह मरीजों की मौत हो गई थी। उच्च न्यायालय ने उक्त टिप्पणी सोमवार को झालावाड़ में जुलाई में सरकारी स्कूल की इमारत गिरने से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान की। इस स्कूल हादसे में सात छात्रों की मौत हो गई थी। न्यायमूर्ति महेंद्र कुमार गोयल और न्यायमूर्ति अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने कहा, सरकारी भवनों में यह क्या हो रहा है? कहीं छत गिर रही है, कहीं आग लग रही है।

उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को विशेष रूप से स्कूल भवनों में, भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए नौ अक्टूबर तक सुरक्षा रोडमैप पेश करने का निर्देश दिया। महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद ने उच्च न्यायालय को बताया कि असुरक्षित स्कूल भवनों से छात्रों को अन्य स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया गया है और मरम्मत एवं पुनर्निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि जयपुर के एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर की दूसरी मंजिल पर स्थित न्यूरो आईसीयू में रविवार रात भीषण आग लग गई। इसमें भर्ती 11 मरीजों में से छह की मौत हो गई। उसी मंजिल पर स्थित एक अन्य आईसीयू से भी 14 मरीजों को निकाला गया जिनमें से दो की बाद में मौत हो गई। हालांकि, अस्पताल प्रशासन का कहना है कि आग (न्यूरो आईसीयू) के कारण छह लोगों की ही मौत हुई है। राज्य सरकार ने आग की घटना के मामले में कार्रवाई करते हुए अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी तथा ट्रॉमा सेंटर के प्रभारी डॉ. अनुराग धाकड़ को पद से हटा दिया है। इसके साथ ही एसएमएस अस्पताल में पदस्थापित अधिशाषी अभियंता मुकेश सिंघल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं अग्नि सुरक्षा (फायर सेफ्टी) के लिए नियोजित एजेंसी एसके इलेक्ट्रिक कम्पनी की निविदा निरस्त करते हुए उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाने के निर्देश दिए गए हैं।

सूरत में आज 'प्रवासी राजस्थानी मीट' का होगा आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 8 अक्टूबर को सूरत में आयोजित होने वाले 'प्रवासी राजस्थानी मीट' में गुजरात और सूरत में रहने वाले प्रवासी राजस्थानी समुदाय से मुलाकात करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री शर्मा वहां के प्रमुख उद्यमियों एवं औद्योगिक जगत के प्रतिनिधियों को राजस्थान में निवेश करने और राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए आमंत्रित करेंगे। सूरत में आयोजित यह 'प्रवासी राजस्थानी मीट' राज्य सरकार के उस व्यापक अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत देश और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में निवास कर रहे प्रवासी राजस्थानियों से जुड़ाव सुनिश्चित और सशक्त किया जा रहा है और उन्हें राज्य की प्रगति यात्रा का भागीदार बनने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। यह आयोजन 10 दिसंबर 2025 को जयपुर में आयोजित 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' में अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भी किया जा रहा है।

सूरत में होने वाले 'प्रवासी राजस्थानी मीट' में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी एवं भू-जल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता सहित राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी हिस्सा लेंगे। इस कार्यक्रम उद्देश्य प्रदेश में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देना है।

'प्रवासी राजस्थानी मीट' के बाद मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार का प्रतिनिधिमंडल सूरत में मौजूद फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल्स, सिरेमिक्स और पेट्रोकेमिकल्स जैसे सेक्टर्स के प्रमुख अधिकारियों से भी मुलाकात करेगा। सूरत में होने वाला यह कार्यक्रम जयपुर में 10 दिसंबर को होने वाले 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' के मद्देनजर किया जा रहा है। इस शृंखला में पहला कार्यक्रम दो हफ्ते पहले हैदराबाद में आयोजित किया गया था।

झारखंड की घाटशिला विधानसभा सीट पर होने वाला उपचुनाव मिलकर लड़ेगा राजग : मरांडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। भाजपा की झारखंड इकाई के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को कहा कि घाटशिला विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में झामुमो नीत सत्तारूढ़ गठबंधन को हराने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) एकजुट होकर लड़ेगा।

ग्यारह नवंबर को इस सीट पर उपचुनाव कराने की घोषणा के एक दिन बाद उन्होंने यह टिप्पणी की है।

झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन का 15 अगस्त को नई दिल्ली के एक निजी अस्पताल में निधन हो जाने के कारण घाटशिला सीट पर उपचुनाव कराया जाना है।

झामुमो के रामदास सोरेन ने 2024 में पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के बेटे और भाजपा नेता बाबूलाल सोरेन को हराकर तीसरी बार इस सीट पर जीत हासिल की थी।

रामदास ने 2009 में पहली बार यह सीट जीती थी। हालांकि, 2014 में वह भाजपा के लक्ष्मण टुडू से हार गए थे, लेकिन 2019 में उन्होंने फिर से जीत हासिल की थी। मरांडी ने दावा किया, घाटशिला उपचुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) जीत की ओर अग्रसर है। इस निर्वाचन क्षेत्र के लोग हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार से निराश हो चुके हैं। पिछले छह वर्षों में राज्य में विकास ठप हो गया है।

वह यहां भाजपा कार्यालय में राजग घटक दलों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

राष्ट्र सेवा, समाज उत्थान और मानवता की भलाई ही शिक्षा का सर्वोच्च उद्देश्य होना चाहिए : आनंदीबेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्र सेवा, समाज उत्थान और मानवता की भलाई ही शिक्षा का सर्वोच्च उद्देश्य होना चाहिए।

राज्यपाल ने महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय, आजमगढ़ के द्वितीय दीक्षांत समारोह में अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि रोजगार ही जीवन का एकमात्र लक्ष्य नहीं होना चाहिए। राष्ट्र सेवा, समाज उत्थान और मानवता की भलाई ही शिक्षा का सर्वोच्च उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी आने से रोजगार के स्वरूप में परिवर्तन हुआ है, अतः युवाओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कार्य करना चाहिए और नए-नए कौशल सीखने का प्रयास करना चाहिए।

पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 इसी दिशा में एक सशक्त कदम है, जो शिक्षा को राष्ट्रीय मूल्यों, सांस्कृतिक धरोहर और रोजगार, तीनों से जोड़ती है। यह नीति विद्यार्थियों को तकनीकी चुनौतियों के अनुरूप तैयार करती है और उन्हें कुशल, आत्मनिर्भर, नैतिक एवं राष्ट्रनिष्ठ नागरिक बनने के लिए प्रेरित करती है।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक इस अवसर पर राज्यपाल ने 60,857 विद्यार्थियों को उपाधियां तथा 68 पदक प्रदान किए, जिनमें से 51 पदक छात्राओं को एवं 17 पदक छात्रों को प्राप्त हुए।

राज्यपाल ने इस अवसर पर जनपद आजमगढ़ और मऊ के आंगनबाड़ी केंद्रों के सशक्तीकरण हेतु 500 आंगनबाड़ी किटों का वितरण किया।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह विश्वविद्यालय का दूसरा दीक्षांत समारोह है और यह देखकर प्रसन्नता होती है कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ रही है, सुविधाएं बढ़ रही हैं और सभी अकादमिक गतिविधियां समय पर संपन्न हो रही हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि आपके हाथों में भारत के भविष्य की दिशा है। इसलिए संकल्प कीजिए कि आप 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से कार्य करेंगे। आने वाले 25 वर्ष युवाओं के हैं, इन्हीं वर्षों में 'विकसित भारत' का निर्माण होना है। हमारे प्रधानमंत्री जी ने युवाओं पर भरोसा जताया है कि वे ही देश की नींव को सुदृढ़ करेंगे और भारत को विश्व पटल पर गौरवान्वित करेंगे।

निर्वाचन आयोग बिहार चुनाव में सीएपीएफ की 1,200 कंपनियां कर सकता है तैनात

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग आगामी दो चरणों में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की कुल 1,200 कंपनियां तैनात कर सकता है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चुनाव पूर्व तैनाती के तहत लगभग 500 ऐसी इकाइयां राज्य में पहुंच चुकी हैं। निर्वाचन आयोग और गृह मंत्रालय से अंतिम मंजूरी मिलने के बाद, 1,200 तक कंपनियां तैनात की जा सकती हैं।

अधिकारियों ने बताया कि बिहार ने चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग से लगभग 1,800 कंपनियों की मांग की है। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को घोषणा की कि बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा के लिए छह और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा। मतगणना 14 नवंबर को होगी। बिहार चुनावों के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की अधिकतम कंपनियां सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) से ली जाएंगी, इसके बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) जैसे अन्य बल होंगे। सीएपीएफ की एक कंपनी में लगभग 70-80 कर्मी होते हैं। सीएपीएफ अधिकारियों के अनुसार, आगामी विधानसभा चुनावों के दौरान सुरक्षा प्रदान करने के लिए ये इकाइयां बिहार पुलिस इकाइयों के अतिरिक्त होंगी।

अधिकारी समावेशी विकास के लिए मिशन मोड में काम करें : मुख्यमंत्री यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को लोक सेवकों से राज्य के समग्र और समावेशी विकास के लिए मिशन मोड में काम करने और कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ जनता तक पहुंचाने का आग्रह किया।

यादव ने 'कलेक्टर-कमिश्नर सम्मेलन 2025' के उद्घाटन के अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने राज्य में जवाबदेह शासन की व्यवस्था स्थापित की है। दो दिवसीय सम्मेलन भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, सरकार, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को सरकारी योजनाओं के माध्यम से राज्य के समग्र विकास और जनता के कल्याण को

सुनिश्चित करने के लिए मिशन मोड में मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने राज्य में जवाबदेह शासन की व्यवस्था स्थापित की है और लोक सेवकों की यह जिम्मेदारी है कि वे अपनी प्रतिभा, समर्पण, क्षमता और प्रतिबद्धता के माध्यम से कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ जनता तक पहुंचाएं। यादव ने कहा कि शासन का अंतिम उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और कल्याण की किरण पहुंचाना है। मुख्यमंत्री ने कहा, जनता में यह विश्वास जगाना सुशासन का सबसे बड़ा उद्देश्य है। राज्य में जनता का विश्वास हमारे ऊपर है। यह हमारी सबसे बड़ी पूंजी है और हमें इस जन-विश्वास को हर कीमत पर बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन शासन को और अधिक सुलभ, सरल, कुशल, पारदर्शी और विकेन्द्रीकृत बनाने पर केंद्रित होगा, ताकि कार्यक्रमों का लाभ जनता तक और तेजी से पहुंच सके। उन्होंने जिलों में तैनात अधिकारियों को अपने काम और नवाचार के जरिए अपनी पहचान बनाने का सुझाव दिया।

यादव ने कहा, उन्हें किसी भी ज्वलंत मुद्दे पर पूरी क्षमता और तथ्यों के साथ अपने विचार प्रस्तुत करने चाहिए। उन्हें स्थानीय जनता, मीडिया, जनप्रतिनिधियों और सरकार व प्रशासन के साथ निरंतर और सौहार्दपूर्ण संवाद बनाए रखना चाहिए।

इस अवसर पर मुख्य सचिव अनुराग जैन और अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन संजय कुमार शुक्ला सहित वरिष्ठ सरकारी अधिकारी उपस्थित थे।

ज्ञानवापी मामला : वजूखाना के सर्वेक्षण की मांग की याचिका पर सुनवाई टली

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद के भीतर कथित शिवलिंग को छोड़कर बाकी क्षेत्र का एएसआई से सर्वेक्षण कराने की मांग वाली याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मंगलवार को सुनवाई टाल दी और अगली तिथि 10 नवंबर तय की। यह मामला मंगलवार को जब न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की अदालत में सुनवाई के लिए आया, तब अदालत को बताया गया कि वर्ष 2020 की रिट याचिका (दीवानी) 1246 (अश्विनी उपाध्याय बनाम केंद्र सरकार एवं अन्य) में उच्चतम न्यायालय श्रवा पारित अंतरिम आदेश अब भी प्रभावी है। उच्चतम न्यायालय ने अपने अंतरिम आदेश में निर्देश दिया था कि यद्यपि नए मुकदमे दाखिल किए जा सकते हैं, कोई भी मुकदमे पंजीकृत नहीं किए जाएंगे और अगले आदेश तक उन मुकदमों में कोई सुनवाई नहीं की जाएगी। इसके अलावा, उच्चतम न्यायालय ने निर्देश दिया था कि देशभर में कोई भी अदालत सर्वेक्षण आदि के निर्देश संबंधी आदेशों सहित कोई प्रभावी अंतरिम आदेश या अंतिम आदेश पारित नहीं करेगी।

हर नागरिक को सुरक्षा मिलनी चाहिए: किरेन रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल)/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने मंगलवार को कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पश्चिम बंगाल सरकार को नोटिस भेजकर राज्य के उत्तरी हिस्से में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसदों पर हुए हमलों पर रिपोर्ट मांगी है और अगर इसमें देरी हुई तो विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव के तहत कार्रवाई की जाएगी।

रीजीजू ने राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी और दार्जिलिंग से सांसद राजू बिष्ट के साथ उत्तर बंगाल के आपदा प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने कहा, मैं यहां बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने आया हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से मैं प्रभावित परिवारों और अपने प्रियजनों को खोने वालों से मुलाकात करूंगा। नुकसान का आकलन करने के बाद मैं प्रधानमंत्री को जानकारी दूंगा। उत्तर बंगाल में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन और बाढ़ में कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई। मालदा उत्तर से भाजपा सांसद खगेन मुर्मू और सिलीगुड़ी से विधायक शंकर घोष पर सोमवार को जलपाईगुड़ी जिले के बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित नागराकाटा इलाके के दौरे के वक्त भीड़ ने हमला कर दिया था। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री रीजीजू ने कहा, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने एक नोटिस भेजकर पश्चिम बंगाल सरकार से सांसद और विधायक पर हमले की रिपोर्ट मांगी है। अगर इसमें देरी हुई तो विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव के तहत कार्रवाई की जाएगी।

ओडिशा के कटक में कर्फ्यू में ढील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटक/भाषा। ओडिशा के कटक शहर में पिछले 24 घंटों में किसी भी तरह की हिंसा की कोई खबर नहीं मिलने के कारण मंगलवार को शहर के हिंसा प्रभावित इलाकों में कर्फ्यू में ढील दी गई। पुलिस आयुक्त एस देव दत्ता सिंह ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि कटक के किसी भी हिस्से में यहां तक कि सोमवार को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) श्रवा आहूत 12 घंटे के बंद के दौरान भी किसी भी तरह की हिंसा की कोई खबर नहीं है।

सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, शनिवार और रविवार को झड़प की दो घटनाओं के मद्देनजर पांच अक्टूबर की रात 10 बजे से सात अक्टूबर की सुबह 10 बजे तक 36 घंटों के लिए कर्फ्यू लगाया गया था। आदेश को आगे नहीं बढ़ाया गया है और इसलिए इसमें ढील दी गई है। हालांकि, सिंह ने यह नहीं बताया कि कर्फ्यू हटा लिया गया है या नहीं। प्रशासन ने शनिवार और रविवार को लगातार हुई झड़प की दो घटनाओं के बाद कर्फ्यू लगा दिया है। इन झड़पों में 10 पुलिसकर्मियों समेत 31 लोग घायल हो गए और कई दुकानें या तो जलकर नष्ट हो गईं या क्षतिग्रस्त हो गईं। संघर्ष शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात दरगाह बाजार इलाके में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान शुरू हुआ था। कटक के दरगाह बाजार, मंगलाबाग, छावनी, पुरी घाट, लालबाग, बिदानासी, मर्कटनगर, सीडीए फेज-2, मालगोडाउन, बादामबाड़ी, जगतपुर, बयालीश मौजा और सदर थाना क्षेत्रों में प्रतिबंध लागू थे। कटक के दरगाह बाजार इलाके में शुक्रवार रात और रविवार के बीच हिंसा की दो अलग-अलग घटनाएं सामने आईं। पहली झड़प देवी दुर्गा की मूर्तियों के विसर्जन के दौरान हुई, जिसमें छह लोग घायल हो गए। दूसरी घटना रविवार शाम को हुई जब पुलिस ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की बाइक रैली को संवेदनशील क्षेत्र में प्रवेश करने से रोक दिया, जिससे पथराव हुआ। इस घटना में आठ पुलिसकर्मियों सहित 25 लोग घायल हो गए।

पश्चिम बंगाल में भाजपा विधायक मनोज उरांव पर बाढ़ राहत सामग्री बांटते समय हमला

अलीपुरश्रर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक मनोज कुमार उरांव पर मंगलवार को अलीपुरश्रर में बाढ़ राहत सामग्री वितरित करते समय तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर हमला किया। इससे एक दिन पहले ही जलपाईगुड़ी जिले में भाजपा के दो वरिष्ठ नेताओं पर भीड़ ने हमला किया था। इस घटना में घायल हुए उरांव ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक समूह ने उन पर और उनके समर्थकों पर उस समय हमला किया, जब वे अपने निर्वाचन क्षेत्र कुमारग्राम में बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों के बीच राहत सामग्री वितरित कर रहे थे। बाद में उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। उरांव ने अस्पताल में कहा, बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद करने की कोशिश करते समय, मुझे अचानक घेर लिया गया और मुझ पर हमला कर दिया गया। तृणमूल कांग्रेस के शासन में लोकतंत्र का यही हाल है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने आरोपों से इनकार किया और उन्हें 'निराधार' बताया। एक स्थानीय तृणमूल नेता ने कहा, आरोप निराधार हैं। मनोज उरांव ने ही सबसे पहले अपने इलाके में एक बुजुर्ग व्यक्ति पर हमला किया था।

ममता बनर्जी ने भूस्खलन प्रभावित मिरिक का दौरा किया, स्थानीय लोगों से बातचीत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मिरिक (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार उत्तर बंगाल में पिछले सप्ताह भूस्खलन और बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुए घरों, सड़कों और पुलों के पुनर्निर्माण के लिए पूरी सहायता देगी। उन्होंने सबसे अधिक प्रभावित पहाड़ी शहर मिरिक में शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात की और पीड़ितों को मुआवजे के चेक सौंपे। दार्जिलिंग जिले के मिरिक के दूधिया क्षेत्र में आपदा के बाद की स्थिति की समीक्षा करते हुए बनर्जी ने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक प्रभावित परिवार को पुनर्वास के लिए सहायता मिले।

स्थानीय निवासियों के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, जिनके घर नष्ट हो गए हैं, हम उनका ख्याल रखेंगे। उन्होंने अधिकारियों को क्षतिग्रस्त घरों और अन्य ढांचों की विस्तृत सूची तैयार करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि मिरिक को मैदानी इलाकों से जोड़ने वाले अस्थायी पुल का 15 दिनों के भीतर पुनर्निर्माण किया जाएगा ताकि आपदा के बाद सड़क संपर्क बहाल किया जा सके। उन्होंने कहा, शुरू में अधिकारियों ने मुझे बताया था कि पुल के निर्माण में एक महीने का समय लगेगा, लेकिन विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि काम 15 दिनों के भीतर पूरा कर लिया जाना चाहिए।

ममता बनर्जी के मन में लोगों के लिए कोई 'ममता' नहीं : केंद्रीय मंत्री वर्मा

बदायूं/भाषा। केंद्रीय मंत्री बी एल वर्मा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि भले ही उनका नाम ममता है, लेकिन उनके मन में लोगों के लिए कोई 'ममता' नहीं है। बीएल वर्मा ने बदायूं में संवाददाताओं से कहा, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार का नेतृत्व कर रही हैं। भले ही उनका नाम ममता है, लेकिन उनके मन में लोगों के लिए कोई 'ममता' नहीं है। पश्चिम बंगाल में हर दिन बहन-बेटियों के साथ बलात्कार और हत्या जैसे जघन्य अपराध होते हैं। माफी मांगने या खेद व्यक्त करने के बजाय, सरकार आरोपियों को बचाने में लगी हुई है। पश्चिम बंगाल में यह पहला हमला नहीं है; इससे पहले भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई कार्यकर्ताओं और नेताओं की हत्या हो चुकी है। वर्मा की यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भाजपा नेताओं – सांसद खगेन मुर्मू और विधायक शंकर घोष – पर पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में भीड़ श्रवा किए गए हमले के ठीक एक दिन बाद आई है। मालदा उत्तर से सांसद मुर्मू और सिलीगुड़ी से विधायक घोष पर जलपाईगुड़ी जिले के बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित नागराकाटा इलाके के दौरे के दौरान भीड़ ने हमला कर दिया था। वर्मा केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री हैं।

स्टार क्रिकेटर स्मृति मंधाना आईसीसी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। मौजूदा महिला एकदिवसीय विश्व कप के दो मैच में कमजोर प्रदर्शन के बावजूद भारत की स्टार क्रिकेटर स्मृति मंधाना आईसीसी महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार हैं लेकिन उनकी बढ़त कम हो गई है।

स्मृति के 791 रेटिंग अंक हैं और वह इंग्लैंड की नेट स्किवर ब्रंट से 60 अंक आगे हैं। विश्व कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन महिला एकदिवसीय मैच की श्रृंखला में लगातार दो शतक जड़ने वाली स्मृति

श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ आठ जबकि पाकिस्तान के खिलाफ 23 रन ही बना सकीं। ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी 713 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स (706) और ऑस्ट्रेलिया की एश्लेग गार्डनर (697) न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जड़ने के बाद आईसीसी रैंकिंग में क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। ताजमिन को दो जबकि गार्डनर को सात स्थान का फायदा हुआ है और ये दोनों अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंच गई हैं। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन सात स्थान के फायदे से 8वें पायदान पर हैं जबकि भारत के खिलाफ 81 रन की पारी खेलने वाली पाकिस्तान की दायें हाथ की बल्लेबाज सिदरा अमीन ने भी अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 10वीं रैंकिंग की बराबरी कर ली है। इंग्लैंड की सोफी एकलेस्टोन गेंदबाजी रैंकिंग में 792 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। स्पिनर दीप्ति शर्मा (640) शीर्ष 10 में एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। वह एक स्थान के नुकसान से छठे पायदान पर हैं।

ओडिशा में थाने के निकट महिला से बलात्कार

राउरकेला/भाषा। ओडिशा के राउरकेला शहर में एक थाने के पास 25 वर्षीय एक महिला से कथित तौर पर बलात्कार किया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विवाहित महिला सोमवार रात घर लौट रही थी, तभी दो लोग उसे जबरन रघुनाथपल्ली थाने के ठीक पीछे रेलवे ट्रैक के पास ले गए। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार एक व्यक्ति ने उससे बलात्कार किया जबकि दूसरे व्यक्ति ने बलात्कार करने का प्रयास किया। राउरकेला के पुलिस अधीक्षक नितेश वाधवानी ने कहा कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और घटना के सिलसिले में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है।

ओडिशा : पुरी में बस सवार व्यक्ति ने धारदार हथियार से चार सहयात्रियों पर हमला किया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के पुरी जिले में मंगलवार को 35 वर्षीय एक व्यक्ति ने सरकारी बस में अपने चार सहयात्रियों पर कथित तौर पर हमला कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुरी के पुलिस अधीक्षक प्रतीक सिंह ने बताया कि बस सवार व्यक्ति ने अचानक धारदार हथियार से चार सह यात्रियों पर हमला कर दिया। बस पुरी जिले के खंडाहोता से कनास जा रही थी। पुलिस ने बताया कि अब तक हमले की वजह की जानकारी नहीं मिली है और पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। सिंह ने बताया कि हमले के बाद, बस में सवार अन्य यात्रियों ने आरोपी की पिटाई कर दी, जिससे वह भी घायल हो गया। उन्होंने बताया, पूर्वाह्न सुबह करीब 10 बजे कनास पुलिस थाने को घटना की जानकारी मिली और वे तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। चारों घायलों को कनास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया और बाद में उनमें से दो को पुरी अस्पताल भेज दिया गया। सिंह ने बताया कि दो अन्य घायल यात्रियों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, जबकि आरोपी भी पुरी जिला मुख्यालय अस्पताल में इलाजरत है। उन्होंने कहा कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सुविचार

हमने स्कूल में जो सीखा है वह सब भूलने के बाद जो याद रहता है, वही शिक्षा है। ज्ञान का निवेश सर्वोत्तम भुगतान करता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

... तो और कौन बोलेगा?

निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। अब यहां चुनावी माहौल जोर पकड़ेगा। राजनेता अपनी रैलियों में ताकत झोंकेंगे, बड़े-बड़े वादे करेंगे। कहीं जातिगत समीकरण बैठाने की कोशिशें की जाएंगी, तो कहीं ध्रुवीकरण के दांव चले जाएंगे। इन पर निर्वाचन आयोग की नजर रहेगी और नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी, लेकिन सबसे ज्यादा प्रभावी कार्रवाई मतदाता ही कर सकते हैं। इस चुनाव में जातिवाद, सांप्रदायिकता, क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर विकास के लिए मतदान करें। राजनेताओं के वादों पर आंखें मूंदकर विश्वास न करें। उनका रिकॉर्ड भी देखें। किस उम्मीदवार ने पहले कितनी जनसेवा की है, उसका योगदान क्या है, वह क्षेत्र में कब से सक्रिय है, सर्वसमाज के प्रति उसकी सोच क्या है, बिहार के विकास के लिए उसके पास रोडमैप क्या है, वह देश की एकता एवं अखंडता के संबंध में क्या सोच रखता है – जैसे तमाम सवालों पर गौर जरूर करें। बिहार की राजनीति में जाति एक हकीकत है। इसे नकारा नहीं जा सकता। यह एक शिनाख्त की हद तक ठीक है, लेकिन इसके आधार पर न तो किसी के साथ भेदभाव होना चाहिए और न ही इसकी वजह से समाज में फूट पड़नी चाहिए। जब किसी इलाके में अच्छा स्कूल बनता है तो उसका फायदा सभी जातियों को होता है। जब कोई अच्छा अस्पताल बनता है तो उससे सभी जातियों के लोग स्वास्थ्य-लाभ पाते हैं। जब लोगों को रोजगार मिलता है तो उस धन का प्रवाह अनेक घरों तक होता है। आज बिहार में बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा है। इसकी वजह से लोग अन्य राज्यों में पलायन करने को मजबूर हैं।

जो राजनीतिक दल अब तक सत्ता में रहे हैं, उनसे ये सवाल जरूर पूछें- आपने पलायन रोकने के लिए क्या किया? अगर चुनाव जीत गए तो ऐसा क्या करेंगे कि युवाओं को यहीं रोजगार मिल जाएगा? कुछ राजनेता अपना वोटबैंक पक्का करने के लिए खास शिगूफे छोड़ते रहते हैं। इनसे उन्हें भरपूर तालियां मिलती हैं। उनकी दूसरी-तीसरी पीढ़ी भी यही कर रही है। ये उन्हीं पुराने शिगूफों से जनता का क्या भला करेंगे – इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। चुनावों में राजनेताओं की भी कुछ जिम्मेदारियां होती हैं। उन्हें अपने भाषणों में शब्दों की मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए। अभद्र और अशालीन शब्दों के प्रयोग से कोई बड़ा राजनेता नहीं बन जाता। अब सोशल मीडिया का ज़माना है। जो व्यक्ति गलत बयानबाजी करेगा, उसका सबूत कुछ ही मिनटों में वायरल हो जाएगा। भाषण देते समय असंभव वादे न करें। अब जनता उस राजनेता को ज्यादा भरोसेमंद मानती है, जो 'ना' कहना जानता है। सिर्फ उन कार्यों के लिए 'हां' कहें, जो कर सकते हैं। आसमान से तारे तोड़ लाने की बातें न करें। जनता ऐसे वादों को हास्यास्पद समझने लगी है। राजनेताओं को चाहिए कि वे रोजगार के अवसरों के संबंध में कोई घोषणा करने से पहले तथ्यों का अध्ययन जरूर करें। अन्य राज्यों की तरह बिहार में भी युवाओं की पहली पसंद सरकारी नौकरी बनी हुई है। चुनावी मौसम में उन्हें लुभाने के लिए कोई दल आरक्षण बढ़ाने की बात कहता है, कोई पदों की संख्या बढ़ाने का वादा करता है। सवाल है- सरकारी नौकरियां हैं कितनी? क्या कोई राजनीतिक दल सत्ता में आने के बाद हर युवा को सरकारी नौकरी दे सकता है? क्या बिहार के पास इतना बजट है? राजनेता जनता को हकीकत बताएं। इतने युवाओं को सरकारी नौकरी देना संभव नहीं है। निजी क्षेत्र को बढ़ावा देकर ही रोजगार के अवसरों का सृजन किया जा सकता है। इसके लिए ऐसी नीतियां बनानी होंगी, जो निवेश को आकर्षित करें। भ्रष्टाचार को नियंत्रित करना होगा। अपराधों पर लगाम लगानी होगी। राजनेता ये मुद्दे उठाएं। अगर वे न उठाएं तो मतदाता पहल करें। अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए आप नहीं बोलेंगे तो और कौन बोलेगा?

ट्वीटर टॉक

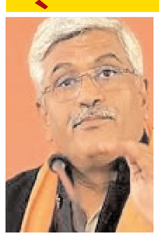

जोधपुर में अग्रवाल पंचायत सामूहिक स्नेह मिलन में शामिल होने का अवसर मिला। आयोजन में सामाजिक एकता, संस्कार और सहयोग भावना का अद्भुत संगम देखने को मिला। स्वदेशी उत्पादों के प्रयोग का सामूहिक संकल्प लेकर सामाजिकजनों ने राष्ट्रभावना को रेखांकित किया

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रभु श्रीकृष्ण की अनन्य उपासक, संत शिरोमणि माँ मीराबाई जी की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन! उनकी अमर भक्ति और प्रेरणादायी काव्य धारा युगों-युगों तक समाज में श्रद्धा, प्रेम और आध्यात्मिक चेतना का प्रकाश फैलाती रहेगी।

-भजनलाल शर्मा

कांग्रेस को सिर्फ नकारात्मक राजनीति आती है। हादसों और दुर्घटनाओं पर राजनीति करना कांग्रेस की आदत है, यह सही नहीं है। आज अगर कांग्रेस के भीतर घुटन नहीं होती तो उनके ही कार्यकर्ताओं में आपसी संघर्ष और टकराव की स्थिति उत्पन्न नहीं होती।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

अटूट विश्वास से जीत

मार्टिन लूथर किंग एक ऐसी दुनिया में बड़े हुए, जहां रंगभेद के कारण अश्वेत लोगों को हीन दृष्टि से देखा जाता था। किसी को भी यह विश्वास नहीं था कि कभी यह स्थिति बदलेगी। एक दिन उन्हें गोरे लोगों की भयंकर प्रताड़ना झेलनी पड़ी। इस अन्याय से वे भीतर तक हिल गए। तभी उन्होंने संकल्प लिया कि वे इस दुनिया से रंगभेद और गुलामी की सोच को जड़ से मिटाकर रहेंगे। मार्टिन लूथर किंग ने अकेले ही रंगभेद के खिलाफ संघर्ष शुरू किया। उनका अडिग विश्वास और संकल्प धीरे-धीरे असर दिखाने लगा। गोरे लोगों में डर पैदा होने लगा और साहस जुटाकर कुछ लोग उनके साथ आ खड़े हुए। धीरे-धीरे उनका आंदोलन एक जनआंदोलन बन गया और अंततः उनके संघर्ष की जीत हुई। रंगभेद की नीति समाप्त हुई और सबको समान अधिकार प्राप्त हुए। एक पत्रकार ने उनसे पूछा, 'इतनी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद आप रंगभेद के खिलाफ कैसे खड़े रहे?' मार्टिन लूथर किंग मुस्कराकर बोले, 'सिर्फ विश्वास के बल पर। जब मुझे सीढ़ियां नहीं दिख रही थीं, तब मैंने पहले पायदान पर विश्वास के साथ कदम रखा, और धीरे-धीरे सारी सीढ़ियां पार कर लीं।'

सामयिक

भारतीय वायु सेना : परंपरा, प्रौद्योगिकी और पराक्रम का संगम

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल: 9989703240

भारतीय वायु सेना दिवस हर साल 8 अक्टूबर को पूरे देश में गर्व और सम्मान के साथ मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि उन हवाई योद्धाओं के प्रति कृतज्ञता का दिन है, जिन्होंने अपने साहस, समर्पण और बलिदान से भारत के आसमान को सुरक्षित रखा है। यह दिवस भारतीय वायु सेना की गौरवशाली यात्रा, उसकी तकनीकी प्रगति और राष्ट्र की रक्षा में निभाई गई अद्वितीय भूमिका का प्रतीक है। भारतीय वायु सेना की स्थापना 8 अक्टूबर 1932 को ब्रिटिश शासन के दौरान रॉयल इंडियन एयर फोर्स के रूप में हुई थी। द्वितीय विश्व युद्ध में इसके अद्वितीय योगदान के बाद 1945 में इसे रॉयल की उपाधि मिली। स्वतंत्र भारत के गणतंत्र बनने के साथ ही 1950 में रॉयल शब्द हटा दिया गया और इसका नाम भारतीय वायु सेना रखा गया। उस समय यह सेना महज़ छह पायलटों और उन्नीस विमानों के साथ शुरू हुई थी, लेकिन आज यह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और तकनीकी रूप से सक्षम वायु सेनाओं में गिनी जाती है। अत्याधुनिक लड़ाकू विमान, शक्तिशाली हेलीकॉप्टर, परिवहन बेड़े और मिसाइल प्रणालियों से लैस, भारतीय वायु सेना ने अपने दम पर हर चुनौती का सामना किया है।

देश की स्वतंत्रता के बाद से लेकर आज तक भारतीय वायु सेना ने कई निर्णायक क्षणों में अपनी वीरता का परिचय दिया है। 1947-48 के कश्मीर युद्ध में इसने रणनीतिक भूमिका निभाई। 1965 और 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्धों में वायु सेना ने दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमले किए और ज़मीनी सेनाओं को महत्वपूर्ण सहयोग दिया। 1971 के युद्ध में इसकी भूमिका बांग्लादेश की मुक्ति में निर्णायक रही। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान ऑपरेशन सफेद सागर के अंतर्गत वायु सेना ने दुर्गम पहाड़ियों पर कब्जा जमाए दुश्मनों को परास्त करने में सेना की मदद की। हाल के वर्षों में 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि भारतीय वायु सेना न केवल सजग है, बल्कि हर परिस्थिति में जवाब देने के लिए तत्पर है।

भारतीय वायु सेना का योगदान केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रहा। उसने मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों में भी देश और विदेश में अमूल्य सेवाएँ दी हैं। चाहे उत्तराखंड और केरल की विनाशकारी बाढ़ हो या चक्रवात और भूकंप की त्रासदियाँ – वायु सेना के हेलीकॉप्टर और विमान सबसे पहले राहत और बचाव कार्यों के लिए पहुँचते हैं। फँसे हुए लोगों को निकालना, आवश्यक सामग्री पहुँचाना और दुर्गम क्षेत्रों में जीवनरक्षक आपूर्ति गिराना – यह सब उसके रोजमर्रा के साहसिक कार्यों का हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों और अंतरराष्ट्रीय राहत कार्यों में भी भारतीय वायु सेना की सक्रिय भागीदारी विश्व स्तर पर उसकी विश्वसनीयता को दर्शाती है। तकनीकी दृष्टि से भी वायु सेना निरंतर आधुनिक हो रही है। राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज 2000 और मिग-29 जैसे लड़ाकू विमान इसकी ताकत की रीढ़ हैं। स्वदेशी तेजस विमान का शामिल होना भारत की आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। चिनूक और अपाचे जैसे आधुनिक हेलीकॉप्टरों ने पर्वतीय और सामरिक अभियानों में सेना की क्षमता को कई गुना बढ़ाया है। वहीं ग्लोबमास्टर सी-17 और हरक्यूलिस जैसे विशाल परिवहन विमान न केवल सैन्य साजो-सामान बल्कि आपदा राहत सामग्री भी त्वरित गति से ले जाने में सक्षम हैं। आकाश और पृथ्वी जैसी मिसाइल प्रणालियाँ तथा सशक्त रडार नेटवर्क भारतीय हवाई क्षेत्र को अभेद्य कवच प्रदान करते हैं।

हर साल 8 अक्टूबर को भारतीय वायु सेना दिवस का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर भव्य परेड और शानदार फ्लाई-पास्ट का आयोजन होता है, जिसमें लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों और परिवहन विमानों की शक्ति और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। सूर्यकिरण एयरोबेटिक टीम और सारंग हेलीकॉप्टर टीम के करतब दर्शकों को रोमांचित कर देते हैं। इस अवसर पर वायु सेना प्रमुख उत्कृष्ट सेवा पदक और वीरता पुरस्कार प्रदान करते हैं। यह केवल परेड का दिन नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति समर्पण और अनुशासन के मूल्यों का उत्सव है।

भारतीय वायु सेना दिवस हमें यह याद दिलाता है कि देश की सीमाएँ केवल ज़मीन पर ही नहीं, बल्कि आसमान में भी संरक्षित हैं। यह दिन उन अनगिनत सैनिकों को नमन करने का अवसर है, जो अदृश्य रूप से हमारी नींद की रक्षा करते हैं। उनका साहस, अनुशासन और तकनीकी दक्षता न केवल भारत की सुरक्षा की गारंटी है, बल्कि नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत भी। भारतीय वायु सेना का आदर्श वाक्य 'नभः स्पर्शं दीप्तम- गौरव के साथ आकाश को छूना' – महज एक मंत्र नहीं, बल्कि एक जीवनदर्शन है। यह हर भारतीय को ऊँचे लक्ष्य रखने, कठिन परिश्रम करने और देश की सेवा में गर्व महसूस करने की प्रेरणा देता है। वायु सेना दिवस हमें यह एहसास कराता है कि जब भी हमारे आकाश में राफेल या तेजस की गूंज सुनाई देती है, तब केवल इंजन की आवाज़ नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास की प्रतिध्वनि गूंजती है। यह दिन हमें गर्व से भर देता है और यह विश्वास दिलाता है कि जब तक भारतीय वायु सेना का नीला आसमान हमारे सिर पर है, तब तक भारत की सीमाएँ और स्वाभिमान सदा अडिग रहेंगे।

मंथन

पीओके : भारत में विलय का संकल्प करना गलत होगा साबित

हरीश शिवनानी
मोबाइल : 9829210036

भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव बढ़ने के साथ ही पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को भारत में शामिल करने की चर्चा एक बार फिर जोर पकड़ रही है। कुछ उच्च-स्तरीय बयानों ने इस मुद्दे को नए सिरे से जीवंत कर दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही एक सार्वजनिक सभा में स्पष्ट कहा कि पीओके हमारा है और बिना किसी आक्रामक कार्रवाई के यह भारत का हिस्सा बनेगा। इसी क्रम में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भी बीकानेर में पाकिस्तान को सख्त चेतावनी दी कि ऑपरेशन सिंदूर 1.0 में दिखाया गया संयम अब दोहराया नहीं जाएगा। इस बार हम कुछ ऐसा करेंगे कि पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा कि क्या वह नक्शे में बने रहना चाहता है या नहीं। ये बयान भारतीय जनमानस को भी उद्वेलित कर रहे हैं। भारत का जनमानस आज भी 1948 में की गई उस ऐतिहासिक महाभूल को भुला नहीं पाया है जब पाकिस्तान के कश्मीर पर थोपे गए युद्ध में भारतीय सेना उसे खदेड़ रही थी पर नेहरु सरकार ने सेना को आगे बढ़ने से रोक दिया और भारतीय कश्मीर का एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान के पास रह गया, वही पाक अधिकृत कश्मीर यानी पीओके कहलाता है। 1948 से भारतीयों का स्वप्न है कि पीओके को वापस भारत में मिलाया जाए। यह एक भावुक स्वप्न है लेकिन गहन विश्लेषण किया जाए तो स्पष्ट होता है कि आज के दौर में पीओके को सैन्य या कूटनीतिक रूप से वापस लेना भारत के लिए एक गंभीर रणनीतिक भूल साबित होगी।

पीओके की जटिल और ख़स्ता आर्थिक परिस्थितियां, जनसांख्यिकीय,भू-राजनीतिक और सैन्य वास्तविकताएं भारत को लंबे समय तक जोख़िम में डाल सकती हैं। पीओके की आर्थिक स्थिति इतनी दयनीय है कि इसे भारत में शामिल करना देश की अर्थव्यवस्था पर एक भारी-भरकम बोझ डाल देगा। पीओके की अर्थव्यवस्था पूरी तरह पाकिस्तान पर निर्भर है। वहाँ की जीडीपी प्रति व्यक्ति मात्र 1,200 डॉलर के आसपास है, जो भारत के राष्ट्रीय औसत (2,500 डॉलर) से भी कम है। भारत का अपना जम्मू-कश्मीर (जेएंडके) ही आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं है। अनुमानित रूप से, पीओके के 55-60 लाख निवासियों के लिए बुनियादी सुविधाओं पर प्रारंभिक निवेश ही 50,000 करोड़ रुपयए से अधिक का होगा। भारत, जो खुद वैश्विक मंदी और महंगाई से जूझ रहा है, इस क्षेत्र को संभालने में असमर्थ साबित होगा। आर्थिक पहलू के अलावा पीओके की जनसांख्यिकीय संरचना भारत के लिए सबसे बड़ा जोखिम है। 2017 की पाकिस्तानी जनगणना के अनुसार, पीओके की जनसंख्या लगभग 55 – 60लाख है। इनमें से 99 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम हैं, जिसमें पश्तून, बाल्टी और कश्मीरी समुदाय प्रमुख हैं। भारत पहले से ही कट्टरपंथी ताकतों से जूझ रहा है-नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और धारा 370 हटाने के बाद साम्प्रदायिक तनाव भी बरकरार हैं। पीओके के निवासियों को भारतीय नागरिकता देने पर वे सीमित संसाधनों वाले जेएंडके से बाहर निकलकर भारत के विभिन्न शहरों में फैल जाएंगे। इससे शहरी डेमोग्राफिक बैलेंस बिगड़ जाएगा और वहाँ साम्प्रदायिक समस्याएं बढ़ेंगी। भारत में विलय के बाद ये समूह कट्टरपंथी राष्ट्र विरोधी संगठनों से जुड़ सकते हैं, जिससे आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां बढ़ेंगी। यह न केवल हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण को तेज करेगा, बल्कि क्षेत्रीय असंतुलन को भी जन्म देगा। जनसांख्यिकीय विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी स्थिति में भारत का जनसंख्या संतुलन 20 वर्षों में 15 प्रतिशत तक बदल सकता है, जो भविष्य में राजनीतिक अस्थिरता और राष्ट्रीय एकता पर संकट का कारण बनेगा।

पीओके के भारत मे विलय से सैन्य और सुरक्षा जोखिम भी कम नहीं होंगे। पीओके क्षेत्र ऊबड़-खाबड़ और अशांत पहाड़ी इलाका है। इसका भूभाग अपनी दुर्गम भौगोलिक स्थिति और वर्तमान भू-राजनीतिक हालात के कारण एक गंभीर सुरक्षा चुनौती बना रहेगा। इस क्षेत्र को स्थिर रखने के लिए एक स्थायी और विशाल सुरक्षा तंत्र की आवश्यकता होगी। सैन्य विशेषज्ञों के अनुसार, पीओके को नियंत्रित करने के लिए भारत को अतिरिक्त एक लाख सैनिक तैनात करने पड़ेंगे, जिसका वार्षिक खर्च 30,000 करोड़ रुपए से अधिक होगा। वर्तमान में, भारत की सेना पहले से ही नियंत्रण रेखा पर तीन लाख सैनिकों के साथ व्यस्त है, और पीओके लेने पर यह एक अंतहीन आतंकवाद और युद्धक्षेत्र बन जाएगा। बढ़ा हुआ सैन्य बोझ न केवल बजट को प्रभावित करेगा, बल्कि मानवीय हानि भी बढ़ाएगा।

भारत की सैन्य क्षमता को फैलाने से पूर्वी लद्दाख (चीन सीमा) पर ध्यान कम होगा, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए घातक होगा। यह मानने का भी कोई कारण नहीं है कि पीओके की आबादी का एक हिस्सा विलय का विरोध नहीं करेगा। भारतीय सेना और अर्ध-सैन्य बलों को न केवल बाहरी घुसपैठ, बल्कि एक नए आंतरिक विद्रोह का सामना करना पड़ सकता है। पीओके को लेने का सबसे बड़ा जोखिम भू-राजनीतिक है। यह क्षेत्र चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का केंद्र है, जो ग्वादर बंदरगाह से गिलगित तक फैला है। चीन ने यहां 60 बिलियन डॉलर निवेश किया है, और भारत का हस्तक्षेप बीजिंग को उकसाएगा।

पीओके लेने के लिए भारत की सैन्य कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय समुदाय आक्रामकता मानेगा। भारत की वर्तमान वैश्विक छवि-जो जी-20 और क्वाड से मजबूत हुई है-को ठेस पहुंचेगी। ज़ाहिर है, पीओके को वापस लेना भावुकता से प्रेरित है। पीओके का विलय केवल एक क्षेत्रीय विस्तार का मामला नहीं है, बल्कि यह भारत के लिए आर्थिक, सामाजिक और सुरक्षा संबंधी गंभीर जोखिमों से भरा एक जटिल मुद्दा है। इस कदम से देश की अर्थव्यवस्था पर एक नया, लंबे समय तक रहने वाला बोझ पड़ सकता है और देश की सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक,रणनीतिक रूप से भी व्यावहारिक नहीं लगता।

नजरिया

हजार बुराइयों की जड़ है शराब

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

देश में हर वर्ष दो से आठ अक्टूबर तक मद्य निषेध सप्ताह के आयोजन की औपचारिकता का निर्वहन किया जाता है। इस अवसर पर पोस्टर, प्रदर्शनी, भाषण, मौखिक वार्ता ,विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कर छात्रों और आम जनों को शराब की बुराइयों से अवगत कराया जाता है। साथ ही मद्यपान, अन्य मादक द्रव्यों, पदार्थ तथा नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम हेतु समुदाय में व्यापक जनमत जाग्रत करने का प्रयास किया जाता है। मगर हमारे लाख प्रयासों के बावजूद इस पर पूरी तरह नकेल नहीं कसी जा सकी है।

नशाखोरी इस सदी की सबसे बड़ी समस्या है जिसमें शराब का नशा प्रमुख है। आज युवा वर्ग शराब के नशे में खोता जा रहा है। शराब जैसे तन मन और परिवार को खोखला करने वाली की लत उन्हें बर्बाद कर रही है। शुरू में युवा शौक के तौर पर शराब का सेवन करता है और बाद में नशे की मांग पूरी करने के लिए तस्करी और गैर सामाजिक कार्य के कारोबार में फंस जाता है। आजकल के बदलते लाइफस्टाइल में हमारे देश में नशा एक ऐसा अभिशाप बन कर उभर रहा है जो हमारे युवाओं को तेजी से अपनी गिरफ्त में लेता जा रहा है। साल-दर-साल इन युवाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। युवाओं में शराब जैसे खतरनाक नशे के बढ़ते चलन के पीछे बदलती जीवनशैली, अकेलापन, बेरोज़गारी और आपसी कलह जैसे अनेक कारण हो सकते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि शराब की वजह से हर साल करीब 30 लाख लोगों की मौत होती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शराब से सेवन से हर साल दुनिया भर में 20 में से लगभग एक मौत शराब पीने के कारण होती है। शराब पी के गाड़ी चलाने, शराब के कारण होने वाली हिंसा और दुर्व्यवहार और कई तरह की बीमारियों और विकारों के कारण यह मौत होती है।

एक अन्य सर्वे के मुताबिक भारत में गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले लगभग 37 प्रतिशत लोग नशे का सेवन करते हैं। इनमें ऐसे लोग भी शामिल है जिनके घरों में दो जून

रोटी भी सुलभ नहीं है। जिन परिवारों के पास रोटी-कपड़ा और मकान की सुविधा उपलब्ध नहीं है तथा सुबह-शाम के खाने के लाले पड़े हुए हैं उनके मुखिया मजदूरी के रूप में जो कमा कर लाते हैं वे शराब पर फूंक डालते हैं। इन लोगों को अपने परिवार की चिन्ता नहीं है कि उनके पेट खाली हैं और बच्चे भूख से तड़फ रहे हैं। ऐसे लोगों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। ये लोग कहते हैं वे गम को भुलाने के लिए नशे का सेवन करते हैं। उनका यह तर्क कितना बेमानी है जब यह देखा जाता है कि उनका परिवार भूखे ही सो रहा है। युवाओं में नशा करने की बढ़ती प्रवृत्ति के चलते शहरी और ग्रामीण अंचल में आपराधिक वारदातों में काफी इजाफा हो रहा है। शराब के साथ नशे की दवाओं का उपयोग कर युवा वर्ग आपराधिक वारदातों को सहजता के साथ अंजाम देने लगे हैं। हिंसा ,बलात्कार, चोरी, आत्महत्या आदि अनेक अपराधों के पीछे नशा एक बहुत बड़ी वजह है। शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए एक्सीडेंट करना, शादीशुदा व्यक्तियों द्वारा नशे में अपनी पत्नी से मारपीट करना आम बात है । शराब पीने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं, जिनमें लीवर का सिरोसिस और कुछ कैंसर शामिल हैं। रिपोर्ट में पाया गया कि शराब का सेवन करने से लोग तपेदिक, एचआईवी और निमोनिया जैसी संक्रामक बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरु नानक प्रकाश पर्व पर आने वाले सिख श्रद्धालुओं के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था : पाकिस्तान

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान ने अगले महीने गुरु नानक देव का 556वां प्रकाश पर्व मनाने के लिए आने वाले सिख तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के वास्ते पुख्ता इंतजाम किए हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तान के पंजाब सूबे की सरकार के गृहविभाग में मंगलवार को गुरु नानक के प्रकाश पर्व की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक हुई।

बैठक में पंजाब के प्रथम सिख मंत्री और पाकिस्तान सिख गुरुश्ररा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष सरदार रमेश सिंह अरोड़ा, इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के अध्यक्ष साजिद महमूद चौहान, पंजाब के गृह विभाग के सचिव अहमद जावेद काजी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। ईटीपीबी के प्रवक्ता गुलाम मोहिउद्दीन ने बैठक के बाद 'पीटीआई-भाषा' को बताया, बैठक में बताया गया कि यात्रियों के लिए पूर्ण सुरक्षा, चिकित्सा सुविधाएं, परिवहन और गुणवत्तापूर्ण आवास सुनिश्चित किए जाएंगे। गुरुश्ररा जन्म स्थान, ननकाना साहिब और अन्य सभी गुरुश्ररों में गैस और बिजली की निरंतर आपूर्ति भी सुनिश्चित की जाएगी।

सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक का प्रकाश पर्व समारोह 4 से 14 नवंबर तक मनाया जाएगा। मुख्य समारोह पांच नवंबर को लाहौर से 80 किलोमीटर दूर ननकाना साहिब में गुरुश्ररा जन्म स्थान में आयोजित किया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि, इस धार्मिक उत्सव में द्विपक्षीय समझौते के तहत भारत से 3,000 सहित दुनिया भर से हजारों सिख तीर्थयात्री हिस्सा लेंगे। हालांकि, अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और मई में भारत तथा पाकिस्तान में सशस्त्र संघर्ष के बाद से यात्रा प्रतिबंधों के कारण कोई भी भारतीय तीर्थयात्री पाकिस्तान नहीं गया है।

अरोड़ा ने संघीय जांच एजेंसी को आव्रजन प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए वाघा सीमा पर अतिरिक्त काउंटर स्थापित करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गुरुश्ररों के आसपास सिख धर्म में निषिद्ध वस्तुओं की बिक्री पर प्रतिबंध रहेगा। ईटीपीबी प्रमुख साजिद महमूद चौहान ने कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच मौजूदा तनाव के बावजूद, बोर्ड सिख मेहमानों के प्रति सम्मान, प्रेम और आतिथ्य प्रदर्शित करेगा। उन्होंने यह भी प्रस्ताव रखा कि पाकिस्तानी सिख डॉक्टर उत्सव के दौरान तीर्थयात्रियों को चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए स्वेच्छा से अपनी सेवाएं दें।

नासिक जिले के इगतपुरी में एक और फिल्म सिटी बनेगी

मुंबई/एजेन्सी

गोरेगांव इलाके में वर्तमान में सक्रिय रूप से काम कर रही फिल्म सिटी की तर्ज पर उत्तरी महाराष्ट्र के नासिक जिले के पहाड़ी शहर इगतपुरी में भी एक फिल्म सिटी बनाई जाएगी। राज्य सरकार ने इसके लिए सोमवार को जमीन को मंजूरी प्रदान कर दी। मुंबई से लगभग 150 किलोमीटर दूर इगतपुरी में प्रस्तावित फिल्म सिटी मुंबई की दादा साहेब फाल्के चित्रनगरी की तर्ज पर बनाई जाएगी। एक विशाल परिसर जिसमें इनडोर स्टूडियो, आउटडोर सेट तथा फिल्मों एवं टेलीविजन शो के फिल्मांकन के लिए सुविधाएं होंगी। इस परियोजना के लिए भूमि आवंटित करने का निर्णय उपमुख्यमंत्री अजित पवार (वित्त एवं योजना) की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया, जिसमें वरिष्ठ कैबिनेट सदस्य छगन भुजबल (खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण) और आशीष शेलार (आईटी एवं सांस्कृतिक मामले) भी उपस्थित थे।

नगर कीर्तन

सिख समुदाय के लोग चौथे सिख गुरु रामदास की जयंती से पहले अमृतसर में 'नगर कीर्तन' जुलूस में हिस्सा लेते हुए।

ईशा कोप्पिकर की वापसी: 'रॉकेटशिप' का ट्रेलर पेश करता है एक सशक्त मां-बेटी की कहानी

मुंबई/एजेन्सी

ईशा कोप्पिकर की अगली फिल्म, रॉकेटशिप, का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार लॉन्च हो गया है, जो दर्शकों को एक भावनात्मक रूप से भरपूर सिनेमाई अनुभव की पहली झलक देता है। निर्माता हरमन राय सहगल ने सोशल मीडिया पर ट्रेलर को एक भावुक कैप्शन के साथ साझा किया है जो फिल्म के सार को बखूबी दर्शाता है: हर सपने को चाहिए एक सहारा, हर सफर को चाहिए प्यार। व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल की इस प्रस्तुति में ईशा कोप्पिकर एक ऐसे किरदार के साथ पर्दे पर वापसी कर रही हैं। जिसमें वे एक ऐसी भूमिका निभा रही हैं जो अपनी बेटी के सपनों को साकार करने में समर्थन करने वाली एक माँ के रूप में उनके अभिनय कौशल को दर्शाता है। ट्रेलर एक ऐसी भावनात्मक कहानी की झलक देता है, जो एक मां की अटूट शक्ति और बेटी के अडिग सपनों के बीच के

गहरे रिश्ते को उजागर करता है, और एक ऐसी कहानी के लिए मंच तैयार करती है जो देश भर के परिवारों के साथ जुड़ जाएगी। ईशा कोप्पिकर, जिन्होंने सालों से अपनी खूबसूरती, शालीनता और अभिनय प्रतिभा से दर्शकों के दिलों पर राज किया है, अब 'रॉकेटशिप' में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं जो दर्शकों के दिल को छूने और भावनाओं की गहराइयों में ले जाने का वादा करती है। यह प्रोजेक्ट खास इसलिए भी है क्योंकि यह अनुभवी प्रतिभाओं और उभरते हुए फिल्म निर्माताओं खासकर सुभाष घई की प्रतिष्ठित व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल अकादमी के छात्रों के बीच एक सुंदर सहयोग का प्रतीक है।

ईशा का इस डिप्लोमा प्रोजेक्ट में हिस्सा लेने का फ़ैसला इस बात को दर्शाता है कि वह नए टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए कितनी प्रतिबद्ध हैं, और किस तरह वो इन छात्रों की संघर्षपूर्ण यात्रा से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करती हैं। उन्होंने भी अपने करियर की शुरुआत बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के की थी, और वह इन छात्रों में अपने ही सपनों की झलक देखती हैं। 'रॉकेटशिप' का ट्रेलर सोशल मीडिया पर आते ही खूब चर्चा बटोर रहा है। दर्शक इसके संवेदनशील विषयवस्तु और ईशा की दमदार भूमिका की जमकर सराहना कर रहे हैं।

जैसा कि ट्रेलर से पता चलता है, दर्शक भावनात्मक गहराई से भरी एक कहानी की उम्मीद कर सकते हैं, जो त्याग, महत्वाकांक्षा और उस गहरे प्यार के विषयों को उजागर करती है जो एक माता-पिता को अपने बच्चे के सपनों के लिए प्रेरित करता है। ईशा कोप्पिकर की शानदार अदायगी और युवा व नवोदित फिल्म निर्माताओं की रचनात्मक ऊर्जा के साथ, 'रॉकेटशिप' दर्शकों के दिलों में उतरने और एक गहरी छाप छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

पाकिस्तान, चीन, रूस और ईरान ने 'स्थिर और शांतिपूर्ण' अफगानिस्तान के लिए प्रतिबद्धता दोहराई

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान, चीन, रूस और ईरान ने मंगलवार को एक ''स्थिर और शांतिपूर्ण'' अफगानिस्तान के लिए अपनी संयुक्त प्रतिबद्धता दोहराई। साथ ही चारों देशों ने अफगानिस्तान में आतंकवादियों की मौजूदगी पर चिंता भी व्यक्त की।

अफगानिस्तान में पाकिस्तान के विशेष दूत मोहम्मद सादिक ने एक बयान में बताया कि अफगानिस्तान के लिए विशेष प्रतिनिधियों की चतुर्पक्षीय बैठक, क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के मामलों पर विचार-विमर्श के लिए रूस की राजधानी मॉस्को में बुलाई गई थी।

इस समय वार्ता के लिए रूस में मौजूद सादिक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि उन्होंने चतुर्पक्षीय बैठक के दौरान विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा, बैठक में शामिल होने वाले देशों ने एकमत से स्थिर, संप्रभु और शांतिपूर्ण अफगानिस्तान के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई, तथा आतंकवाद और बाहरी हस्तक्षेप के अभिशाप से मुक्त देश की आवश्यकता पर बल दिया।

सादिक ने कहा, चिंता का एक विशेष विषय टीटीपी, बीएलए, ईटीआईएम, जैश-उल-अदल, आईएसआईएल और अल-कायदा जैसे आतंकवादी संगठनों की निरंतर उपस्थिति थी। इस साझा खतरे के मद्देनजर, राष्ट्रों ने आतंकवाद के सभी रूपों से निपटने के लिए बेहतर समन्वय और सहयोगात्मक कार्रवाई के महत्वपूर्ण महत्व पर जोर दिया।

पुतिन 73 वर्ष के हुए, समर्थकों ने रूस को बदलने में उनकी भूमिका की सराहना की

मॉस्को/भाषा। रूस के सबसे लंबे समय तक राष्ट्रपति रहने वाले व्लादिमीर पुतिन मंगलवार को 73 वर्ष के हो गए और उनके कई समर्थक देश के कायाकल्प में उनकी भूमिका की सराहना कर रहे हैं।

क्रेमलिन के यूक्रेन मामलों के दूत व्लादिमीर मेदेंस्की ने अपने टेलीग्राम चैनल पर लिखा, पुतिन ने रूस के और विखंडन को रोका एवं उसे उसके ऐतिहासिक पथ पर वापस लाए। उन्होंने कहा कि पुतिन ने 2000 की पूर्व संध्या पर उस समय पदभार ग्रहण किया था जब देश सोवियत संघ के पतन के आघात और रूसी संघ के विखंडन के खतरे से गुज़र रहा था।

स्टेट ड्यूमा (रूसी संसद) के अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोदिन, मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव और मॉस्को के महापौर सर्गेई सोबयानिन ने भी इसी तरह की भावनायें व्यक्त कीं। पुतिन को विश्व नेताओं की ओर से भी जन्मदिन की शुभकामनायें मिल रही हैं।

बेंजामिन नेतन्याहू शायद पहले विदेशी नेता हैं जिन्होंने कल रात गाजा समझौते, ईरानी परमाणु मुद्दे और सीरिया पर चर्चा के दौरान पुतिन को फ़ोन पर जन्मदिन की शुभकामनायें दीं।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने मंगलवार को पत्रकारों के लिए आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में रूस के लोगों के जीवन में पुतिन की भूमिका के महत्व के बारे में बात की।

पेसकोव ने कहा, जैसा कि सर्वविदित है, आज उनका जन्मदिन है। और निश्चित रूप से, राष्ट्रपति प्रशासन का पूरा स्टाफ उन्हें बधाई देता है।

एकता कपूर ने अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से मांगी माफी

मुंबई/एजेन्सी

टीवी इंडस्ट्री की क्वीन एकता कपूर ने एक वीडियो जारी करते हुए उन सभी अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है, जिनकी उन्होंने वर्षों से आलोचना की है। इसकी वजह भी सामने आ गई है। टेलीविजन और फिल्म निर्माता एकता कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन पर एक वीडियो अपलोड किया। इसमें एकता कहती हैं, विज्ञापनों में अपने हालिया विवाद के बाद मैं उन सभी अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगना चाहती हूं, जिनसे मैंने कहा था, 'आपका अभिनय उम्मीद के मुताबिक नहीं था।' मुझे सच में खेद है। दरअसल, हाल ही में एकता कपूर कई तरह के उत्पादों के विज्ञापनों में नजर आई थीं। इनमें एक विज्ञापन में उन्होंने दावा किया था, 'मैंने दुनिया को के-ड्रामा दिया', जो उनके मशहूर टीवी

सीरियल्स 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'कहानी घर घर की', 'कुसुम' और 'पवित्र रिश्ता' की तरफ इशारा था।इनमें से कुछ में वह कहती दिखी थीं, कुछ कलाकार तो ऐसे थे, जो एक्टिंग तक नहीं करना जानते थे। इसके चलते एकता कपूर की खूब आलोचना हुई थी। हालांकि, यह विज्ञापन अब सोशल मीडिया से हटा लिया गया है, लेकिन खुद की किरकिरी होते देख एकता कपूर ने सार्वजनिक तौर पर माफी मांग ली।दूसरी तरफ एकता कपूर की फिल्म 'कटहल' को हाल ही में 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के दौरान 'सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म' के रूप में सम्मानित किया गया था। इस फिल्म को गुनीत मोंगा और एकता कपूर ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में सान्या मल्होत्रा, अनंत जोशी, विजय राज और राजपाल यादव जैसे सितारे हैं। इस फिल्म को यशोवर्धन मिश्रा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म की कहानी अशोक मिश्रा ने लिखी है।राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल करने के बाद एकता कपूर ने एक पोस्ट में लिखा था, राष्ट्रीय पुरस्कार और कटहल की जीत का जश्न मनाना बालाजी की पूरी टीम के लिए एक जादुई पल है। यह कहानी प्रामाणिक, अनोखे भारतीय आख्यानों पर प्रकाश डालने के लिए रची गई थी और आज की मान्यता इस सफर को अविस्मरणीय बनाती है।

शमिता शेट्टी ने शिर्डी और त्र्यंबकेश्वर में बिताए दो दिन, माँगा आशीर्वाद

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शमिता शेट्टी अपनी बहन शिल्पा शेट्टी के साथ एक आध्यात्मिक यात्रा पर निकली हैं, जहां उन्होंने महाराष्ट्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों सप्तशृंगी देवी मंदिर, शिर्डी और त्र्यंबकेश्वर में भव्य दर्शन करते हुए दिव्य आशीर्वाद मांगा। भगवा साड़ी में सजी शमिता ने अपनी सादगी और भक्ति से सबका ध्यान खींचा, जब उन्होंने श्रद्धा भाव से पूजा-अर्चना की। शमिता ने अपनी इस यात्रा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, सप्तशृंगी देवी मंदिर, शिर्डी और त्र्यंबकेश्वर की यात्रा में बिताए गए दो खूबसूरत दिन। नाशिक के पास स्थित सप्तशृंगी देवी मंदिर में दोनों बहनों ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद शमिता शिर्डी पहुंचीं, जहां उन्होंने साई बाबा के दरबार में माथा टेका।

उन्होंने अपनी इस धार्मिक यात्रा का समापन त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के साथ किया, जो भारत के बारह पवित्र ज्योतिर्लिंगों में से एक है।

अपनी इस आध्यात्मिक यात्रा की झलकियाँ साझा करते हुए शमिता के चेहरे पर शांति और कृतज्ञता साफ झलक रही थी। पर्दे पर और उसके बाहर अपनी गरिमा और सौम्यता के लिए जानी जाने वाली शमिता की यह भक्ति-यात्रा आस्था और प्रसिद्धि के बीच संतुलन का एक खूबसूरत उदाहरण पेश करती है।

धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी का बयान दर्ज किया गया

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में मुंबई पुलिस के समक्ष दर्ज कराए गए अपने बयान में दावा किया कि उन्होंने अपने पति राज कुंद्रा के साथ मिलकर जिस कंपनी की स्थापना की थी, उसके कामकाज को वह नहीं देखती थीं। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की एक टीम ने चार अक्टूबर को अभिनेत्री के आवास पर उनका बयान दर्ज किया और उनसे चार घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। अभिनेत्री ने अपने बयान में में दावा किया कि वह बंद हो चुकी कंपनी बेस्ट डील टीवी

प्राइवेट लिमिटेड के मामलों को नहीं देख रही थीं। शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा, होम शॉपिंग और ऑनलाइन खुदरा बिक्री मंच बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक थे।

अधिकारी ने बताया कि अभिनेत्री ने अपना बयान दर्ज कराते समय सवालों के जवाब दिए और सहायक दस्तावेज भी प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि पुलिस अभिनेत्री द्वारा मुहैया कराए गए दस्तावेजों का सत्यापन कर रही है। कुंद्रा और शेट्टी के खिलाफ 14 अगस्त को जुहू पुलिस थाना में व्यवसायी दीपक कोठारी (60) से ऋण-सह-निवेश करार के तहत करीब 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया गया था। ईओडब्ल्यू ने पहले अपनी जांच के सिलसिले में कुंद्रा का बयान दर्ज किया था और इससे पहले अभिनेत्री और उनके पति के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया था।

जूलिया रॉबर्ट्स ने हॉलीवुड फिल्म उद्योग को 'पुरुष-प्रधान' बताया

लंदन/एजेन्सी

तीन दशक से अधिक समय से अभिनय की दुनिया में सक्रिय जूलिया रॉबर्ट्स ने माना कि हॉलीवुड फिल्म उद्योग अब भी पुरुष-प्रधान है, लेकिन इससे उन्हें कोई खतरा महसूस नहीं होता। जूलिया (57) 'नॉटिंग हिल', 'एरिन ब्रोकोविच' और 'रनअवे ब्राइड' जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उनके अभिनय से सजी अगली फिल्म 'आफ्टर द हंट' रिलीज के लिए तैयार है।

वह इस फिल्म में अल्मा इम्हॉफ नाम की एक कॉलेज प्रोफेसर की भूमिका में नजर आएंगी, जो एक छात्र के आरोप और अपने खुद के डरावने अतीत के बीच में फंसी हुई महसूस करती है। यह पूछे जाने पर कि क्या यह किरदार किसी भी रूप में उनके वास्तविक जीवन को प्रतिबिंबित करता है, जूलिया ने फिल्म उद्योग के पुरुष-प्रधान होने की बात कही। उन्होंने 'द टाइम्स' के साथ साक्षात्कार में कहा, यह अब भी पुरुष-प्रधान उद्योग है! इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन हां, किसी भी पेशे से जुड़ी कोई भी महिला अल्मा जैसी हो सकती है... हम सभी को यह अनुभव हुआ है। किसी भी महिला को हुआ है। क्योंकि मैं अक्सर खुद को एक मेज पर बैठी हुई पाती हूं और, शायद, वहां केवल एक ही महिला होती है। ऐसे वातावरण में, मैं निडर होती हूं। लुका गुआडाग्निनो के निर्देशन में बनी 'आफ्टर द हंट' में एंड्रयू गारफील्ड भी अहम किरदार में नजर आएंगे। यह फिल्म 10 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

दौरा

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पिछले हफ्ते हुए विनाशकारी भूस्खलन और बाढ़ के बाद, पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग ज़िले के मिरिक में एक आपदा प्रभावित शहर का दौरा करती हुईं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

न्याय की रक्षा धर्म की रक्षा से बढ़कर है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में चार्तुमासार्थ विराजित राष्ट्रसंत श्री कमलमुनिजी कमलेश ने 7 अक्टूबर को अपने प्रवचन में कहा कि उपासना साधना धार्मिक कार्यक्रम करना, यहां तक संत बन जाना भी सरल हो सकता है, परंतु न्याय का पालन करना, नंगी तलवार पर नंगे पांव चलने के समान है। न्याय की रक्षा करना धर्म और परमात्मा की रक्षा करने से भी बढ़कर है। सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश गवई पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह संपूर्ण लोकतंत्र पर हमला है जो अक्षम्य अपराध है। कानून के ऊपर कोई नहीं है सब के ऊपर समान रूप से कानून का पालन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात सबको रखने का अधिकार है। परंतु कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं है कानून को हाथ में लेना देश के संविधान को कुचलने के समान है।

मुनि कमलेश से बताया कि अराजकता फैलाना, तोड़फोड़ करना, हिंसा करना, सोशल मीडिया के भ्रामक समाचार फैलाकर शांति भंग करना ऐसी गतिविधियां देशद्रोह से कम नहीं हो सकती है तत्काल और असामाजिक तत्वों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। ताकि दोबारा कोई दूसरा ऐसा न करें। ऐसी घटनाएं लोकतंत्र को शर्मसार करने वाली होती है। न्याय का गला घोटने के समान है। वकील कानून के रखवाले होते हैं।' रक्षक ही भक्षक बन जाए' तो किस पर आस रखनी चाहिए।

विश्व के सभी धर्म ने न्याय को धर्म का प्राण बताया न्याय मार्ग अपनाए बिना आध्यात्मिकता में प्रवेश नहीं कर सकता। न्याय जनता को शीघ्रता से सुलभ और सस्ता मिले यह प्रयास सरकार और न्यायालय को मिलकर करना चाहिए। सामान्य व्यक्ति आज की तारीख में न्याय पाने का सपना भी नहीं देख सकता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ संजय पींचा ने किया।

तप से ही आत्मशुद्धि होती है : पं. विमल पुण्यविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक स्थित एससी शाह भवन के प्रांगण में विराजित पंन्यास विमल पुण्यविजयजी म.सा. ने मंगलवार को नवपद ओली के नवें और अंतिम दिन तप पद का गूढ़ विश्लेषण करते हुए कहा कि तप आत्मशुद्धि, कर्मनिर्जरा और मोक्ष प्राप्ति का अनिवार्य साधन है। उन्होंने कहा कि जब लक्ष्य शुद्धि का होता है, तो पथ्य का पालन करना आवश्यक बन जाता है। आहार संज्ञा मनुष्य के जीवन की अत्यंत महत्वपूर्ण संज्ञा है। उस पर संयम रखना ही सच्चा साधक का लक्ष्य होना चाहिए। नवपद आराधना आहार संयम की दिशा में अद्भुत मार्गदर्शक है।

पंन्यासश्री ने कहा कि सिद्धचक्र संसार रूपी चक्र को काटने वाला प्रतीक है। जो साधक सिद्धचक्र को अपने हाथों में धारण करता है, वह अनंत सुखों का अधिकारी बन जाता है। उन्होंने तप के बारह प्रकारों का वर्णन करते हुए बताया कि छः बाह्य तप, अनशन, उणोदरी, वृत्तिसंक्षेप, कायक्लेश, रसत्याग और संलिनता और छः आंतरिक तप, प्रायश्चित, विनय, वैयावच्च, स्वाध्याय, ध्यान तथा कायोत्सर्ग होते हैं। मोबाइल उपयोग से जुड़ा सजीव दृष्टांत देते हुए उन्होंने इन तपों की आधुनिक संदर्भ में प्रासंगिकता समझाई। उन्होंने कहा कि देव, सद्गुरु का एक सच्चा दर्शन जीवन के द्वार खोल देता है। संसार ग्रंथियों को जोड़ता है, परंतु साधक का लक्ष्य उन्हें खोलना होता है।

सौवीं ओली की महिमा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह शास्त्र विधान का अनुपम उत्सव है, जो गुप्त तप की भावना को जन-जन तक पहुँचाता है।

आरएसएस का शताब्दी समारोह कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के मौके पर विजयदशमी उत्सव का आयोजन गुजराती समाज हॉल में किया गया। मुख्य अतिथि प्रान्त संघ चालक आड़ल अरसन, तथा मनिवा पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल चौधरी रहे, जिन्होंने अपने उद्बोधन में संघ के कार्यों, राष्ट्र निर्माण और सेवा भावना के महत्व पर प्रकाश डाला। मंच पर संघ चालक जेठूसिंह राजपुरोहित की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर मदुरै तेरापंथ भवन में चातुर्मासिक विराजित आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनिश्री हिमांशु कुमारजी तथा उनके सहवर्ती मुनिश्री हेमंत कुमारजी ने मुख्य प्रवक्ता के रूप में पधारकर राष्ट्र, संगठन एवं आत्मबल विषय पर प्रेरणादायी प्रवचन दिया।

काव्य के विविध रंगों की दीपमाला 'विविधा' में झलका साहित्यिक सुरभि का संसार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अनुभूति संस्था द्वारा आयोजित विविधा-काव्य के विविध रंगों की दीपमाला कार्यक्रम में साहित्य, संस्कृति और सृजन के अनोखे रंग बिखरे। 5 अक्टूबर को कोला सरस्वती वैष्णव सीनियर सेकंडरी विधालय में आयोजित हुआ। अध्यक्ष विजय गोयल नेसभी का स्वागत किया। मुख्य अतिथि उज्जैन से आए कवि महेन्द्र शर्मा, अयोध्या से कवयित्री पूजा मिश्रा यक्ष, तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में देवास से आए साहित्यकार पंकज जोशी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में अनुभूति के सदस्यों ने विविध साहित्यिक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से श्रोताओं का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का संचालन अनुभूति की महासचिव नीलम सारड़ा ने किया। काव्य गोष्ठी में हास्य, श्रृंगार, ओज और करूण-हर रस की कविताओं ने दीपों की तरह वातावरण को आलोकित कर दिया। कवियों की सुमधुर प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने खूब सराहना की और बार-बार तालियों से सभागार गूंज उठा। अनुभूति के सदस्यगणों में अनीता अग्रवाल ने सरस्वती वंदना से, कंचन बिसानी, आकांक्षा बरनवाल, सुनीता जाजोदिया ने नृत्य से, शोभा चोरड़िया और मंजू रूस्तगी ने गायन से तथा गोविंद मूंदड़ा, गिरी मूंदड़ा, अलंकार आच्छा ने नाटिका के जरिए विभिन्न अमर रचनाओं को मंच पर प्रस्तुत कर कार्यक्रम को और गरिमामय बनाया। प्रीतिभोज का आयोजन डॉ. सुमन अग्रवाल एवं उषा टिबरेवाल द्वारा किया गया। इस पूरे आयोजन में सचिव शिल्पा बंब और अरूण बोहरा का अप्रतिम सहयोग रहा।

रेट्रो रिदम ने मनाई अपनी पहली वर्षगांठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय प्रसिद्ध गायक कलाकारों का संगठन 'रेट्रो रिदम' ने अपनी पहली वर्षगांठ म्युजिक अकादमी के मिनी ऑडिटोरियम में रविवार को धूमधाम से मनाई। कार्यक्रम में दीप प्रज्जवलन नीता राठौर और संजय द्वारा किया गया। नीता द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम बेहद सफल रहा, जहाँ दर्शकों ने प्रतिभाशाली गायकों का उत्साहवर्धन किया। कलाकारों ने बेहतरीन प्रस्तुतियाँ दीं, जिससे दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान और कई सुनहरी यादें ताज़ा हो गईं। कलाकारों ने गुलाबी आंखे, नज़ारा ना लग, झूम झूम बाबा, यादो की बारात, तेरे मेरे बीच में, मेरा प्यार भी तू, गाता रहे मेरा दिल, जैसे प्रसिद्ध गाने को लाइव प्रस्तुति दी इस कार्यक्रम का मकसद नए कलाकारों को प्रोत्साहन देना था। कार्यक्रम संयोजक आनंद ने अगले कार्यक्रमों की जानकारी दी।

जीवन को आनंदमय यात्रा बनाने के लिए सहनशक्ति जरूरी है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड भवन में विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने श्रुतज्ञान गंगा महोत्सव में उत्तराध्ययन सूत्र पर आधारित प्रवचन माला के तहत मंगलवार को कहा कि इस जगत में प्राणियों को मनुष्यत्व,धर्म का श्रवण, श्रद्धा, और संयम में पराक्रम की प्राप्ति दुर्लभ है आकृति से मानव होना अलग बात है और प्रकृति से मानव होना अलग। प्रकृति से मानव बनने के लिए मानवोचित गुणों को आत्मसात करना जरूरी है। दया, करुणा, सहयोग, सहानुभुति और संवेदनशीलता आदि गुणों से ओतप्रोत व्यक्ति ही सही मायने में मानव कहलाने का हकदार है। जिस व्यक्ति का मन सरल और हृदय कोमल होता है उसका व्यवहार निश्छल और मैत्रीपूर्ण होता है। वे कभी भी किसी के प्रति क्रूर और निष्ठुर नही होते। जो व्यक्ति सिर्फ अपने स्वार्थ और मतलब परस्ती के लिए जीता है वह व्यक्ति समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी और आदर्श नही बन पाता है।

मुनि श्री ने कहा कि आज के दौर में व्यक्ति में सहनशक्ति घटती जा रही है जो सहना जानता है वही जीना जानता है। सहनशक्ति के अभाव में अन्य खूबियों का कोई खास महत्व नहीं रह जाता है। सहिष्णुता के अभाव में छोटी-छोटी बातों पर नियंत्रण खो देना आम बात हो गई है। जो व्यक्ति सहना जानता है वही इंसान हर हाल में मन की मस्ती को टिकाकर जीवन को आनन्द यात्रा बना सकता है। सहनशीलता के बिना आनंदमय जीवन की कल्पना करना निराधार है। आज का व्यक्ति कहना बहुत चाहता है लेकिन सुनना और सहना नहीं चाहता। अपनी अनगिनत खामियों को भी नजरअंदाज कर देता है लेकिन दूसरे की एक भूल को भी सहन नहीं करता। जीवन के सफर में मनचाही और अनचाही घटनाएं घटित होती रहेंगी ऐसी परिस्थिति में शांत संतुलित जीवन जीने के लिए सहिष्णुता का अभ्यास बेहद जरूरी है । सहना कायरता नहीं है वीरता की निशानी है इसके प्रभाव से कठिन से कठिन कार्य भी अविलंब संपन्न हो जाते हैं। सहनशीलता की साधना सरल नहीं है अठाई, मासखमण, वर्षीतप की तपस्या करना आसान पर किसी व्यक्ति के मुख से निकले दुर्वचन, दुर्व्यवहार और विपरीत स्थिति को सह पाना बहुत मुश्किल है। सहनशील व्यक्ति ही वास्तव में मानव कहलाने का अधिकारी है। ऐसे मानव के यश की सौरभ चहुंओर फैलती है। सहनशील व्यक्ति ही महान होता है।

इस मौके पर सुभाषचंद रांका, शांतिलाल संकलेचा, सुनील भड़कतिया, जवाहरलाल नाहर, ललित नाहर, हंसराज, दिलीप, ललित कांठेड़, अशोक कोठारी, उत्तमचंद चौरड़िया, हुक्मीचंद सुराणा विजयराज सुराणा, प्रवीण गादिया, संदीप पगारिया आदि सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे। अध्यक्ष अमरचंद छाजेड ने बताया कि प्रवचन के पूर्व वीर स्तुति व श्री उत्तराध्ययन सूत्र के मूल पाठ का पारायण किया गया। धर्म सभा का संचालन मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

नाकोड़ा भैरू चालीसा भक्ति का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री नाकोडा पार्श्व भैरव मित्र मंडल चेन्नई द्वारा अपने शहर चेन्नई में हर रविवार हर परिवार के यहां नाकोडा भेरूजी की चालीसा भक्ति करने का आयोजन किया जा रहा है। इसमें सभी परिवार ज्यादा से ज्यादा लाभ ले रहे हैं। मंडल ने गत रविवार को चौदहवीं भव्य चालीसा भक्ति माधवरम में स्थित हैं तेरापंथ नगर की। जिसमें श्री संभव नाथ भक्ति मंडल वड़पलनी ने सभी भक्तों को झुमा दिया। मंडल के सदस्य सुनील भटेवरा ने जानकारी दी की बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। भैरू चालीसा का घर पर प्रचार प्रसार हो इस उद्देश्य से हर घर चालीसा का आयोजन किया जा रहा है।

दूसरों के अपमान से नहीं, अपने क्रोध से होता है नुकसान : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. के सान्निध्य में मंगलवार को उत्तराध्यन सूत्र आराधना का 7वां दिवस मनाया गया। आगे प्रवचन में मुनिजी ने बताया कि कैसे घमंड किसी की उँचाई को भी गिरा देता है और धर्म के मार्ग से जो व्यक्ति जुड़ता है, उसे अपने भीतर के अभिमान को पहचानना चाहिए।

मुनिश्री ने कहा कि हरिकेसी नामक एक बालक का जन्म ऐसा हुआ था कि उस घर-परिवार की बातें किसी की प्रशंसा के काबिल नहीं थीं, जबकि उसी का पूर्व जन्म ऊँची जाति का था और उसने अपने जाति का अभिमान किया था। उसी अभिमान के कारण, भले ही उस पूर्व जन्म की तपस्या और साधना उच्च स्तर की थी, अंततः वह गिरावट की ओर चला गया। इसी तरह उसी वंश में अगला जन्म नीचे कुल में हुआ - न केवल कुल-स्थिति बिगड़ी बल्कि शकल-सूरत और स्वभाव भी ठीक नहीं रहे। मुनिश्री ने आगे बताया कि रंग-रूप एक बार के लिए चलता है, पर स्वभाव यदि बुरा हो तो जीवन कठिन हो जाता है। उस बालक के स्वभाव के कारण बच्चों ने उसके साथ खेलना बंद कर दिया और वह बहुत परेशान हुआ।

खुश रहने की जद्दोजहद में वह रास्तों पर निकल पड़ा जहाँ उसे दो साप मिले - एक को लोग मार रहे थे और दूसरे को बचा रहे थे। जब उसने कारण पूछा तो बताया गया कि एक में जहर था और दूसरे में जहर नहीं। इस बात से उसे समझ आई और समय के साथ वह संत बन गया तथा मासक्षमण भी किया।

डॉ. समकित ने कहा कि यदि कोई हमारा अपमान करता है तो उसका हमारे ऊपर कोई असर तब तक नहीं हो सकता जब तक हमारा मन बिगड़े। किसी के बोलने से हमारा नुकसान तब होगा जब हम गुस्सा करें; वरना किसी बाहरी शक्ति से हमारा कुछ बिगड़ नहीं सकता। इसलिए दूसरों के अपमान से क्रोध-घमंड न पालें, वरना वही घमंड आपकी बर्बादी बन जाएगा। जो मिटाने की सोचते हैं, वे आखिर में मिट्टी हो जाते हैं; जो मिलाने की सोचते हैं, वही सद्गति पाते हैं। कार्यक्रम का संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा ट्रस्ट बोर्ड की साधारण सभा में पन्द्रह ट्रस्टियों का हुआ निर्वाचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा ट्रस्ट बोर्ड साहूकारपेटका वार्षिक साधारण अधिवेशन प्रबंध न्यासी विमल चिप्पड की अध्यक्षता में तेरापंथ भवन साहूकारपेट की तृतीय मंजिल पर समायोजित हुआ। सामूहिक मंगलाचरण के पश्चात प्रबंध न्यासी विमल चिप्पड ने उपस्थित सदन का स्वागत करते हुए दो वर्ष के कार्यकाल में किए गए आध्यात्मिक, सामाजिक एवं विकास के कार्यों की गति प्रगति का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से मिले सभी पदाधिकारीयो, सदस्यों, अनुदानदाताओं से प्राप्त सहयोग हेतु संपूर्ण सदन का आभार व्यक्त किया। गत साधारण वार्षिक

अधिवेशन की कार्रवाई का वाचन सहमंत्री प्रवीण बाबेल ने किया।

मंत्री गौतमचंद धारीवाल ने मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत कर प्राप्त सहयोग हेतु सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कोषाध्यक्ष अनिल लुणावत ने 2024-2025 के अंकेक्षित हिसाब को प्रस्तुत किया। भवन व्यवस्थापक चंद्रेश चिप्पड ने भवन की सुव्यवस्थित गति प्रगति तथा दैनिक व्यवस्थाओं के बारे में सदन को जानकारी प्रस्तुत की। सहयोगी भवन व्यवस्थापक नरेंद्र भंडारी, तरुण दूगड़, गौतमचंद आच्छा की भी महनीय सेवाएं रही। सदन ने एकमत से मंत्री, कोषाध्यक्ष एवं भवन व्यवस्थापक रिपोर्ट को पारित किया।

तत्पश्चात मंच चुनाव अधिकारी संपतराज चोरडिया एवं सहचुनाव अधिकारी शांतिचंद भंडारी को सुपुर्द किया गया। चुनाव अधिकारी ने बताया कि निश्चित दिन तक 17 नामांकन पत्र प्राप्त हुए, उसमें से दो व्यक्तियों ने अपने नामांकन वापस ले लिए। इस आधार पर वर्ष 2025-2027 के लिए निर्धारित 15 ट्रस्टीगणों के निर्विरोध चुने जाने की घोषणा की। वित्तीय वर्ष 2025-2026 हेतु अंकेक्षक जीसी डागा एण्ड कम्पनी की नियुक्ति की गई। ट्रस्ट बोर्ड की संपूर्ण कार्यसमिति का स्मृति चिन्ह द्वारा अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री गौतमचंद धारीवाल एवं आभार ज्ञापन सहमंत्री प्रवीण बाबेल ने किया। साध्वीश्री उदितयशा के आशीर्वचन एवं मंगल पाठ के साथ अधिवेशन की कार्रवाई सानंद संपन्न हुई। बैठक में तेरापंथ की अनेक संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

नारायणी पीठम में शारदीय पूर्णिमा यज्ञ संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेल्लूर। यहां श्री नारायणी पीठम में शारदीय पूर्णिमा के उपलक्ष्य में श्री नारायणी महल में भव्य पूर्णिमा यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्री नारायणी पीठम के संस्थापक शक्ती अम्मा ने वेद मंत्रों के बीच यज्ञ में आहुति देकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर भक्तों की बड़ी संख्या ने भाग लिया और परमात्मा से सुख-समृद्धि एवं विश्व कल्याण की प्रार्थना की। यज्ञ के पश्चात श्री शक्ती अम्मा ने सभी उपस्थित भक्तों को दिव्य आशीर्वाद प्रदान किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.